Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 281 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 30 अप्रैल 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मांस निर्यात पर प्रतिबंध हो तो भारत में अहिंसा का सबसे महान कार्य होगा।

It will be a great achievement of nonviolence if meat export is banned in india.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव में जीत पर कार्नी को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार कनाडा के पीएम मार्क कार्नी को आम चुनाव में सफलता पर बधाई दी है। कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी चौथी बार सत्ता में वापसी करने में सफल रही। मोदी ने एक्स पर मार्क कार्नी को टैग करते हुए लिखा, भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। मैं हमारी साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक अवसरों के द्वार खोलने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद की बैठक आज

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार 30 अप्रैल 2025 को सवेरे 11:30 बजे राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक अटल नगर नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित होगी।

जम्मू-कश्मीर : 48 पर्यटक स्थलों को किया गया बंद

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने घाटी के 48 पर्यटक स्थलों को अस्थायी रूप से बंद करने का बड़ा फैसला लिया है। सरकारी आदेश के मुताबिक, इन स्थलों को सुरक्षा समीक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के चलते बंद किया गया है।

मुख्यमंत्री साय की सराहनीय पहल : यूपीएससी मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों को मिलेंगे 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश, यूपीएससी में 5 उम्मीदवारों ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के यूपीएससी मेंस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रतिभागियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बड़ी सौगात दी है। राज्य सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों को एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक फैसला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर लिया गया है, जिसके तहत नगरीय प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर इसको महापौर सम्मान राशि निधि के अंतर्गत शामिल किया है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह घोषणा को यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणादायी कदम है, जो राज्य में यूपीएससी परीक्षा को लेकर प्रतिभागियों में प्रतिस्पर्धी वातावरण को बढ़ावा देगा।

यूपीएससी 2024 में छत्तीसगढ़ के 5 अभ्यर्थियों की शानदार उपलब्धि- संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 के अंतिम परिणाम 22 अप्रैल 2025 को घोषित किए, जिसमें छत्तीसगढ़ के पांच अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। इन अभ्यर्थियों के नाम और उनकी रैंक इस प्रकार है - पूर्वा अग्रवाल (रायपुर)- 65वीं रैंक, अर्पण चोपड़ा (मुंगेली)- 313वीं रैंक, मानसी जैन (जगदलपुर)- 444वीं रैंक, केशव गर्ग (अंबिकापुर)- 496वीं रैंक, शची जायसवाल- 654वीं रैंक। इन अभ्यर्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से न केवल व्यक्तिगत सफलता हासिल की, बल्कि छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ के युवा प्रतिभाशाली और मेहनती हैं। यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर हमारे युवाओं ने साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकते हैं। एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि की घोषणा हमारी सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो युवाओं को सिविल सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रोत्साहन राशि न केवल अभ्यर्थियों की मेहनत को सम्मान देगी, बल्कि अन्य युवाओं में भी यूपीएससी की तैयारी के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को जागृत करेगी। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ में सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए एक अनुकूल और प्रेरणादायी वातावरण का निर्माण हो। -शेष पेज 2 पर

महापौर सम्मान राशि निधि से मिलेगी प्रोत्साहन राशि

नगरीय प्रशासन विभाग के अनुसार, यह प्रोत्साहन राशि नगर निगमों के तहत संचालित महापौर सम्मान राशि निधि से प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत यूपीएससी की मुख्य परीक्षा पास करने वाले सभी पात्र अभ्यर्थियों को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह कदम न केवल अभ्यर्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगा।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगा प्रतिस्पर्धी माहौल

शिक्षा विशेषज्ञों और यूपीएससी कोचिंग संस्थानों ने इस घोषणा की सराहना की है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का यह फैसला छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। प्रोत्साहन राशि से न केवल आर्थिक सहायता मिलेगी, बल्कि यह युवाओं को सिविल सेवाओं की ओर आकर्षित करेगा। इससे राज्य में यूपीएससी की तैयारी का स्तर और बेहतर होगा।

भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार आधुनिक बनाया जा रहा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित 'युग्म कॉन्क्लेव' में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। मुझे विश्वास है, हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है, इसलिए उन्हें भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना बहुत जरूरी है। इसमें शिक्षा की अहम भूमिका है। इसलिए हम 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बना रहे हैं। नई शिक्षा नीति इस बदलाव को आगे बढ़ा रही है। देश में नई शिक्षा नीति लाई गई है। इसे शिक्षा के वैश्विक मानक को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नई शिक्षा नीति आने के बाद हम भारतीय एजुकेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव भी देख रहे हैं। कक्षा 1 से 7 तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकें तैयार हो चुकी हैं। पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफॉर्म जैसी पहल पूरे देश में एकीकृत शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर रही हैं। इस परिवर्तन का समर्थन करने के लिए एआई द्वारा संचालित एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है। किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें।

स्कूलों में टीचरों की कमी दूर होगी, राज्य सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है. इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय ने दिशा-निर्देश भी जारी कर दिया है. इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजा गया है. विभाग द्वारा संशोधित समय-सारणी भी जारी की गई है, जिसके अनुरूप युक्तिकरण की कार्रवाई होगी- जारी आदेश में विभाग ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के अनुरूप शालाओं में शिक्षकों की उपलब्धता बच्चों की संख्या के अनुपात में सुनिश्चित की जानी चाहिए. वर्तमान में प्रदेश की कई शालाओं में सैकड़ों शिक्षक अतिशेष हैं, जबकि कई शालाएं शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक प्रणाली पर निर्भर हैं.

राहुल गांधी पहुंचे रायबरेली, सोलर रूफ प्लांट का किया उद्घाटन

रायबरेली (विश्व परिवार)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विशाखा फैक्ट्री में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। फैक्ट्री जाते समय राहुल गांधी ने चौराहे पर कार्यकर्ताओं को देखकर अपनी कार अचानक रुकवाकर उनसे मुलाकात भी की। सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने विशाखा फैक्ट्री में दो मेगावॉट एटम सोलर रूफ प्लांट एवं एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया।

'पहलगाम हमले पर बुलाया जाए संसद का विशेष सत्र', पीएम मोदी को भेजा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चर्चा करने का अनुरोध किया। साथ ही पत्र में संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया है। पिछले हफ्ते हुए आतंकी हमले के बाद से विपक्ष के कई सांसदों ने सरकार से ऐसी मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आगे कहा गया, 'इस समय में एकता और एकजुटता जरूरी है, इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एकजुट हैं। संसद का विशेष सत्र बुलाकर सभी 22 अप्रैल को निर्दोष नागरिकों पर पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति का एक शक्तिशाली प्रदर्शन करेंगे।

अक्षय तृतीया व परशुराम जयंती पर सभी नगर के धर्मावलंबियों को महापौर ने दी शुभकामनाएं

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जी की जयंती पर महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नगर वासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भगवान श्री परशुराम जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे भगवान शंकर के परम भक्त थे। भगवान शंकर जी ने ही परशुराम जी को एक अमोघ अस्त्र. परशु प्रदान किया था। इनका वास्तविक नाम राम था, किंतु हाथ में परशु धारण करने से ये परशुराम नाम से विख्यात हुए। ये अपने पिता के अनन्य भक्त थे, पिता की आज्ञा से इन्होंने अपनी माता का सिर काट डाला था, लेकिन पुन: पिता के आशीर्वाद से माता की स्थिति यथावत हो गई। यह ईश्वरीय चमत्कार था और उनकी परीक्षा जिसमें उन्होंने अपने पिता के आदेश पर तत्क्षण भी नहीं सोचा और अंतत: ईश्वरीय चमत्कार से माता जी पुन: यथास्थिती में हो गई। भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी का जन्म वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हुआ था. इस वजह से हर वर्ष परशुराम जयंती इस तिथि को मनाई जाती है।

महापौर श्री यादव ने अक्षय तृतीया की बधाई देते हुये कहा कि यह पर्व दान पून्य का पर्व है, इस दिन शुभकार्य करना अच्छा माना जाता है। इसलिये इस दिन बिना मुहुर्त के शादी ब्याह सहित अन्य मांगलिक कार्य किया जाता है। छत्तीसगढ़ में इस दिन पितरों का तर्पण अक्ती पानी देकर किया जाता है। उन्होंने सभी नगरवासियों को अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती की बधाई देते हुये सभी के लिये मंगलमय जीवन की कामना की है।

महापौर यादव सहित निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, श्रीमती बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा, आलोक श्रोती, राजा माखीजा, श्रीमती वर्षा शरद सिन्हा, श्रीमती केवरा विजय राय, एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू, सहित अपील समिति के सदस्यों श्रीमती श्रुती लोकेश जैन, श्री संतोष कुमार साहू, श्रीमती मोहनी बाई एवं श्री सेवक राम उइके आदि ने भी नागरिकों को परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया पर अपनी शुभकामनाएं दी है।

मुख्यमंत्री साय की सराहनीय... पेज-01 का शेष

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस दूरदर्शी कदम से छत्तीसगढ़ में यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं को नई ऊर्जा मिलेगी। एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि की घोषणा न केवल सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित करेगी, बल्कि अन्य युवाओं को भी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित करेगी। इस पहल से छत्तीसगढ़ में सिविल सेवाओं के प्रति एक सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी वातावरण का निर्माण होगा, जो भविष्य में और अधिक युवाओं को इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा।

अक्षय तृतीया पर पारंपरिक संस्कृति की बयार गुड्डा-गुड़िया विवाह का हुआ भव्य आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज, बलौदाबाजार में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ी पारंपरिक संस्कृति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गुड्डा-गुड़िया विवाह का भव्य आयोजन किया गया। हिंदी विभाग द्वारा नवाचार का एक स्वरूप: सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण एवं नवीन पी-सजयी को परंपराओं का हस्तांतरण-अक्षय तृतीया पर गुड्डा-गुड़िया का विवाह एक सार्थक पहल इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में विवाह से जुड़े सभी रस्मों को पूरी निष्ठा, बारीकी और उत्साह के साथ निभाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मेहंदी समारोह से हुई, जिसमें छात्राओं ने पारंपरिक गीतों के बीच एक-दूसरे के हाथों में सुंदर मेहंदी रचाई और विवाह का वातावरण सजीव कर दिया। इसके बाद हल्दी रस्म का आयोजन हुआ, जहाँ हल्दी की पवित्रता के साथ दूल्हे-दुल्हन के विवाह के साथ शुभारंभ किया गया और छात्राओं ने पारंपरिक लोकगीतों के साथ रस्म को जीवंत बना दिया। विशेष आकर्षण रहा बारात का आयोजन, जहाँ छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बारात निकाली। ढोलक की थाप पर थिरकते हुए बाराती गुड्डे को लेकर विवाह स्थल पर पहुँचे, जहाँ वधुपक्ष ने तिलक एवं रस्मों के साथ बारात का भव्य स्वागत किया। विदाई की रस्म अत्यंत भावुक रही। वधुपक्ष की छात्राओं ने भारतीय परंपरा के अनुसार बेटी के विदा होने की रस्म को इतनी सजीवता से निभाया कि उपस्थित सभी जनमानस भावुक हो उठे। इसके उपरांत वर पक्ष द्वारा वधु का स्वागत बड़े प्रेम और उल्लास के साथ किया गया, जिसने आयोजन को पूर्णता प्रदान की। इस पूरे आयोजन का संचालन प्राचार्य डॉ. वासु वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ और समापन हिंदी विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के नेतृत्व में तथा सभी विभागों के प्राध्यापकों के सहयोग से संभव हो पाया। इस अवसर पर डॉ. कल्पना उपाध्याय, डॉ. सुरेखा राउत, डॉ. सुनीता त्यागी, डॉ. विद्या पांडेय सहित समस्त सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

जिला कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त दल द्वारा कैमिकल इंडस्ट्रीज का निरीक्षण किया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के औद्योगिक क्षेत्र के निवासियों की शिकायत थी कि उस क्षेत्र में कैमिकल युक्त पानी बोरिंग से निकल रहा है। जो पीने के योग्य नहीं है, उससे अन्य शारीरिक तकलीफे होने की संभावना है। इसीलिए नगर निगम भिलाई द्वारा बोरिंग के पानी पर रोक लगा दी गई है। सभी जगह पर नियमित सप्लाई पानी प्रदाय किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर टैंकरों से भी पानी की प्रतिपूर्ति की जा रही है। शिकायत के आधार पर जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा संयुक्त दल के माध्यम से कैमिकल इंड्रस्टिज का निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया। आज नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, क्षेत्रीय अधिकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल भिलाई से श्रीमती अनिता सावंत, साइंटिस्ट शिव पटेल एवं आई.आई.टी के प्रोफेसर प्रवेश शुक्ला, सत्यजीत के संयुक्त दल द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में जाकर निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकांश कंपनीयों द्वारा ई.टी.पी. प्वांइट बनाकर रखा गया था। जो नियमित रूप से संचालित होना नहीं पाया गया। क्षेत्रीय अधिकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल भिलाई अनिता सांवत द्वारा संस्थाओ को सतत् रूप से संचालन करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होने कहा भविष्य में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान ई.टी.पी. प्वांइट चालू हालत में नहीं पाये जाने पर संस्था को सील करने की कार्यवाही की जावेगी। निरीक्षण के दौरान तेज कोप इंड्रस्टी के नाली का कुछ हिस्सा छतिग्रस्त पाया गया, जिससे कैमिकल युक्त पानी भू-जल में मिश्रीत होने की संभावना बन रही थी। उसे पर्यावरण अधिकारी द्वारा तत्काल मरम्मत करने को कहा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
ई-टेंडर नोटिस नं./TRS-BIA-25-26-Fire Ext-01.
कार्य का नाम:- 3 फेज लोकोमोटिव की 22.5 किलोग्राम क्षमता वाले CO_2 fire extinguisher की रिफिलिंग और हाइड्रोलिक परीक्षण 2 साल के लिए। **"काम की लागत- रूपये 7,22,722.27/-** (रूपये सात लाख बाईस हजार सात सौ बाईस और सत्ताईस पैसे मात्र), **बोली सुरक्षा/बयाना राशि जमा:- रूपये 14,500/-** (रूपये चौदह हजार पांच सौ मात्र) **कार्य पूर्णता की अवधिः** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 24 माह. । **निविदा समाप्ति की तिथि और समय- 22.05.2025 को 11:30 बजे । वेबसाइट विवरण और निविदा के विवरण यहां देखे जा सकते हैं: www.ireps.gov.in**
सहा. मण्डल विद्युत अभियंता (क.च.स्टा.)
पीआर/आर/टीआरएस/एएन/21 द.पू.म.रेलवे, भिलाई
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20444/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20444
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K0914E** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JOGENDRANATH PATRO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M. RAMCHANDRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **YAMINI BAGHMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNIL BAGHMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20445/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20445
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K0914F** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJVEER SINGH BAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JASHWANI SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJVEER SINGH BAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JASHVANT SINGH BAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20443/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20443
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K0914D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JOGENDRANATH PATRO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M. RAMCHANDRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SOURABH RAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURENDRA RAI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 998 दिनांक 29.04.2025
वार्ड का नाम- जय बुढ़ादेव वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 27 मांग **पंजी क्र. 361 युआईडी 25616** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सुरेन्द्र कुमार कोर्राम / वतुराम कोर्राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **शोभा राम ध्रुव / देवनारायण ध्रुव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 999 दिनांक 29.04.2025
वार्ड का नाम- मां परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 25 मांग **पंजी क्र. 146 युआईडी 24682** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **होरी लाल धीवर /विहारी धीवर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **शिव कुमार धीवर / स्व. होरी लाल धीवर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 1000 दिनांक 29.04.2025
वार्ड का नाम- डॉ. राधाकृष्णन वार्ड
वार्ड क्र. 22 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 22 मांग **पंजी क्र. 259 युआईडी 23413** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पुकार दास मानिकपुरी, घनश्याम मानिकपुरी / बाबुदास मानिकपुरी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **घनश्याम दास मानिकपुरी / बाबुदास मानिकपुरी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 1001 दिनांक 29.04.2025
वार्ड का नाम- मावध राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 19 मांग **पंजी क्र. 411 युआईडी 21708** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अविनाश बिल्डर्स / आनंद सिंघानिया** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कुसुम देवी / अजीत कुमार मिश्रा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला रायपुर** में स्थित भवन **क्रमांक पीपल II/42, श्री वैभव गुप्ता, पिता स्व. श्री महेन्द्र गुप्ता,** के नाम पर नामांतरित है। नामांतरी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 22.03.2014** को विक्रय विलेख पंजीकृत उपरांत नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है। नामांतरी **श्री वैभव गुप्ता पिता स्व.श्री महेन्द्र गुप्ता,** द्वारा **दिनांक 03.10.2017** को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत **श्री वैभव गुप्ता पिता स्व. श्री महेन्द्र गुप्ता,** द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती प्रगति सिंह चंदेल पिता श्री विनय सिंह चंदेल, पति श्री राहुल सिंह, निवासी- जगन्नाथपुरम् बस्ती के पास, राज किशोर नगर, लिंगियाडीह बिलासपुर जिला-बिलासपुर, (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक 17.03.2025** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन **क्रेता श्रीमती प्रगति सिंह चंदेल पिता श्री विनय सिंह चंदेल, पति श्री राहुल सिंह,** द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला रायपुर** में स्थित **भवन क्रमांक रोजवुड-I/145, श्री कुलदीप सिंह राठौर पिता श्री अरविन्द प्रकाश राठौर,** के नाम पर आवंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 02.06.2016** को सेलडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। आबंटी **श्री कुलदीप सिंह राठौर पिता श्री अरविन्द प्रकाश राठौर,** द्वारा **दिनांक 13.07.2021** को हस्तांतरण विलेख (फ्री होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत **श्री कुलदीप सिंह राठौर पिता श्री अरविन्द प्रकाश राठौर,** द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री भुवन लाल साहू पिता स्व.श्री समारू राम साहू, निवासी मकान नम्बर-1602, नेशनल हाईवे 30, मेन रोड वार्ड नम्बर-53, डुमरतराई रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक 25.03.2025** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन **क्रेता श्री भुवन लाल साहू पिता स्व.श्री समारू राम साहू,** द्वारा उक्त भवन को **फ्री-होल्ड पश्चात्** अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20396/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 29-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20396
वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758D00192** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RASMANI GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAGHUNANDAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 अमन गुप्ता पिता मनोज गुप्ता 2. तुषार गुप्ता पिता स्व. रामकुमार गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20400/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 29-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20400
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739A00119** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOHAR RAW SHES** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAJANAND RAW SHESH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 राजेंन्द्र शेष 2. अनुराग शेष** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनों के पिता स्व. मनोहर राव शेष** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20397/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20397
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E00320** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAND LAL MAKHIJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LADHARAM MAKHIJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **दीपक दक्षिणी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. नारायण दास दक्षिणी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20403/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20403
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B00440** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MO. NOOR HUSAIN HALDAR S/O HUSAIN HALDAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद आस्जेद हुसैन हलदार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहम्मद हुसैन हलदार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20402/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20402
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B00213** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHWETA JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BANSAT KUMAR JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 सुभाष पाल 2 प्रकाश पाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनो के पिता मोहन पाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./20220/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20220
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J00201** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **C/O BHOWRAY TYRE GONDWARA PRAVEEN BHOWRAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GOVIND BHOWRAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती टी. सुनीता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - श्री मुरली कृष्णा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20401/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20401
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B00252** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KRISHNA RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMRAO DUKRE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **निशिकांत भूनिया** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहन भुनिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी खिलौरा,** जिला-रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. भवन क्रमांक-71 श्रीमती गीता घोष पति श्री संकरी प्रसाद घोष निवासी: म.नं.-861, घोस विला श्रीवास्तव गली नं.-04, बंगाली पारा नया सरकंडा बिलासपुर, तह व जिला-बिलासपुर (छ.ग.),** को इस कार्यालय के आंबटन **आदेश क्रमांक 973 दिनांक 02.02.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित किया गया है। मूल आंबटी **श्रीमती गीता घोष पति श्री संकरी प्रसाद घोष** पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 15.11.2011** को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। मूल आंबटी द्वारा हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता **श्री अरूण कुमार पिता श्री चैतुराम पता:- म.नं.-122, आवास पारा गोंड पारा मानिकचौरी बिलासपुर, तह व जिला-बिलासपुर (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक 11.04.2025** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता **श्री अरूण कुमार पिता श्री चैतुराम,** द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट का फ्री-होल्ड उपरांत नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समायवधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी खिलौरा,** जिला-रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. भवन क्रमांक-72 श्री संकरी प्रसाद घोष पिता श्री जीवन कृष्ण घोष निवासी: म.नं.-861, घोस विला श्रीवास्तव गली नं.-04, बंगाली पारा नया सरकंडा बिलासपुर, तह व जिला-बिलासपुर (छ.ग.),** को इस कार्यालय के **आंबटन आदेश क्रमांक 972 दिनांक 02.02.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित किया गया है। मूल आंबटी **श्री संकरी प्रसाद घोष पिता श्री जीवन कृष्ण घोष पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 15.11.2011** को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। मूल आंबटी द्वारा हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को **क्रेता श्री अरूण कुमार पिता श्री चैतुराम पता:- म.नं.-122, आवास पारा गोंड पारा मानिकचौरी बिलासपुर तह व जिला-बिलासपुर (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक 11.04.2025** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता **श्री अरूण कुमार पिता श्री चैतुराम,** द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट का फ्री-होल्ड उपरांत नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समायवधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./19398/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19398
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104F0182A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PREMLATA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SURESH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI MAHESH KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SURESH KUMAR AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 30 अप्रैल 2025

एस ई सी एल के प्रोजेक्ट धड़कन के तहत आयोजित किया गया बाल हृदय परीक्षण शिविर

हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाएं : कलेक्टर एस जयवर्धन

40 बच्चे पाए गए जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित

71 गंभीर कुपोषित बच्चों का किया गया स्वास्थ्य जांच

30 अप्रैल को मंगल भवन, भैयाथान में किया जाएगा शिविर का आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिला कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा के मार्गदर्शन में आज एस ई सी एल के प्रोजेक्ट धड़कन एवं आर बी एस के, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ज़िला प्रशासन, सूरजपुर के सहयोग से न श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर द्वारा एक दिवसीय बाल हृदय परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया । साथ ही इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग के बाल संदर्भ कार्यक्रम के तहत बच्चों के स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसमे श्री सत्य साई हॉस्पिटल के बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया गया। इस शिविर का अवलोकन करते हुए कलेक्टर श्री जयवर्धन ने अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। दिनांक 30 अप्रैल को मंगल भवन, भैयाथान में भी यह शिविर आयोजित किया जाएगा।

इस आयोजित शिविर का लाभ लगभग जिले के लगभग 155 से अधिक परिवारों ने लिया । इनमें से 84 बच्चों का इकोकार्डियोग्राफी किया गया जिन्हें जन्मजात हृदय रोग संबंधी लक्षण, जैसे-साँस लेने में परेशानी, जल्दी थकान होना, उम्र के अनुसार वजन ना बढ़ना इत्यादि समस्याएं थी। श्री सत्य साईं हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ अनिल चौहान ने बताया कि जाँच के पश्चात लगभग 40 बच्चों को जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित पाया गया । जिनके उचित ईलाज हेतु उनके अभिभावकों को परामर्श दिया गया है। इसके अलावा बाल संदर्भ कार्यकम के तहत जिला हॉस्पिटल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टरो द्वारा कुल 71 गम्भीर कुपोषित बच्चों का भी स्वास्थय जांच किया गया। ग़ौरतलब है कि कैम्प में चिह्नांकित एवं उपचार योग्य बच्चों का इलाज ज़िला प्रशासन एवं एस ई सी एल के द्वारा श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल, छत्तीसगढ़ में पूर्णत: नि:शुल्क कराया जाएगा ।

इस आयोजित शिविर में ग्राम उमेशपुर से अपने 13 वर्षीय बच्चे आदित्य को लेकर आईं ज्योति ठाकुर ने जिला प्रशासन द्वारा एस ई सी एल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस तरह के सुविधा से गरीब और दूरदराज के परिवारों को बड़ी राहत मिलती है और आसानी से स्वास्थ्य सुविधा मिल जाती है । गरीब परिवारों को रायपुर स्थित हॉस्पिटल में भागदौड़ करना काफी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होते रहने चाहिए ताकि गरीब परिवारों की मदद हो सके। इसके अलावा ग्राम सोनपुर की संतोषी सिंह, सूरजपुर की सोनिया देवांगन और चंद्रपुर की चंद्रपति देवांगन ने भी इस आयोजित शिविर के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस शिविर में सिविल सर्जन सह ज़िला अस्पताल अधीक्षक डॉ अजय मरकाम,डॉ आर एस सिंह, डॉ राजेश पैकरा आर एम ओ, डॉ प्रियंक पटेल, डी पी एम डॉ प्रिंस जयसवाल, डॉ निखिल शुक्ला,अस्पताल सलाहकार श्री निलेश गुप्ता, श्रीमती शुभम श्रीवास्तव, बायोमेडिकल इंजीनियर रवि साहू, व आर बी एस के से समस्त चिरायु टीम एवं महिला एवं बाल विकास की टीम उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट का शिमला का कियाभ्रमण

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिकविश्व परिवार)-शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर के माइक्रोबायोलॉजी के विद्यार्थियों ने मैनपाट में टाइगर प्वाइंट, जलजली और बौद्ध मंदिर के स्थलों का भ्रमण किया। अध्ययन भ्रमण प्राचार्य डॉ. एच.एन.दुबे के निर्देशन एवं विभाग अध्यक्ष टी.आर. राहंगडाले के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। अध्ययन भ्रमण हेतु माइक्रोबायोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी शामिल हुए। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मैनपाट में उपस्थित जैव विविधता और पर्यावरण से संबंधित घटकों का अध्ययन किया। जिसमें लाइकेन, कवक व अन्य पौधों की जानकारी प्राप्त की। इस स्थल पर पहुंचकर विद्यार्थियों ने कवक और लाइकेन का संग्रहण किया तथा जैव विविधता एवं पर्यावरण के बीच के संबंध को जाना। विद्यार्थियों ने संग्रहित पदार्थ का प्रयोगशाला में स्पेसिमेन तैयार किया, ताकि उन्हें आने वाले समय पर सुरक्षित रखकर अध्ययन किया जा सके। अध्ययन भ्रमण में दिव्यादित्य सिन्हा, साधना भगत अतिथि व्याख्याता, प्रंजना साहू व पूर्णिमा राजवाड़े जन भागीदारी में अपना सहयोग प्रदान किया।

भीषण गर्मी में राहगीरों का कंठ शीतल कर रहा है स्काउट गाइड का प्याऊ घर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-गर्मी के बढ़ते कहर से जहां आम जनजीवन बेहाल है, वहीं भारत स्काउट गाइड संगठन ने राहत पहुंचाने के लिए प्याऊ घर खोलने की सराहनीय पहल की है। गर्मी के मौसम को देखते हुए भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार एवं जिला आयुक्त श्रीमती भारती वर्मा के निर्देशन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी पदेन स्काउट कमिश्नर पंडित भारद्वाज, एबीईओ मनोज साहू के कुशल मार्गदर्शन में रामानुजनगर में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के पास प्याऊ घर की शुभारंभ अगरबत्ती जलाकर शशिनाथ तिवारी, बीईओ पंडित भारद्वाज, एबीईओ मनोज साहू, बैंक मैनेजर लालमन साहू, प्राचार्य हेम साय, शिव सिंह, साधना न्यूज प्रमुख ऋषि दुबे एवं स्काउट गाइड के द्वारा किया गया। गर्मी में पानी के लिए लोगों को यहां वहां भटकना न पड़े, इसके लिए अलग-अलग स्थान पर पानी की व्यवस्था की जा रही है। नगर में आवश्यक स्थानों पर स्काउट गाइड द्वारा प्याऊ घर बनाये जाने की योजना है। राज्य से स्काउट गाइड को इस सेवा को संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्काउट गाइड का उद्देश्य बचपन से ही विद्यार्थियों में समाज सेवा और राष्ट्र सेवा की भावना जगाना है, और यह प्याऊ व्यवस्था इस दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, इस पहल से लोगों को गर्मी में राहत मिलती है और स्काउट्स के सेवा कार्य को बढ़ावा मिलता है। स्काउट गाइड संगठन के ब्लॉक सचिव विजेन्द्र साहू ने बताया कि जरूरत मंद लोगों को सुविधा देना नेक का काम है। हमें जो दायित्व मिला हुआ है, उसका बेहतर तरीके से निर्वहन किया जाएगा। राहगीरों के लिए सर्व प्रथम ग्रामीण बैंक एवं बस स्टैण्ड रामानुजनगर में प्याऊ घर की शुरुआत की गई तथा आगे सेन्ट्रल बैंक एवं बाजार चौक में भी शुरू करने की योजना है। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर जाकिर हुसैन, नंद कुमार सिंह, योगेश साहू, श्रीकांत पांडेय, राजेश कुमार चौधरी, नितिन सिन्हा, गाइड प्रभारी श्रीमती धनसरी राजवाड़े, गुड्डी राही एवं स्काउट्स/गाइड्स उपस्थित थे।

सूरजपुर में डीएसपी अनूप एक्का के नेतृत्व में अवैध घुसपैठियों का किया जा रहा है शिनाख्त

500 व्यक्तियों से हुआ पूछताछ नहीं मिले घुसपैठी जांच रहेगी जारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिले में अवैध रूप से निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने जांच का वृहद अभियान चलाया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पिछले एक सप्ताह से जिले के थाना-चौकी की कई पुलिस टीमों के द्वारा क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की सघन जांच करने में लगी हुई है।

अवैध प्रवासियों की चेकिंग अभियान के लिए डीएसपी अनूप एक्का को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जो अभियान के दौरान पुलिस टीम के साथ खुद भी सक्रियता से चेकिंग करते नजर आते है। इस अभियान में अभी तक 500 से अधिक लोगों की जांच पड़ताल की गई है। विश्रामपुर थाना क्षेत्र में ग्राम शिवनंदनपुर, फोकटपारा, रेलवे स्टेशन के पीछे दिगर प्रदेश से आकर रहने वाले लोगों का आधार कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य पहचान आईडी देखा गया और उसकी तस्दीक कराई जा रही है। थाना सूरजपुर, भटगांव, जयनगर, प्रतापपुर, झिलमिली, चौकी बसदेई सहित सभी थाना-चौकी क्षेत्र में सूक्ष्मता से अवैध प्रवासी की चेकिंग पुलिस टीमों के द्वारा लगातार की जा रही है।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि यह अभियान जिले में विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने और बाहरी तत्वों पर नजर रखने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। आमजन से अपील की है कि अपने क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग मिल सके और संबंधित की बारीकी से चेकिंग की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की प्रक्रिया को गंभीरता से लेते हुए अपने-अपने थाना क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर सतत नजर रखें।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रामनगर में वार्षिक परीक्षा परिणाम एवं विदाई समारोह सम्पन्न

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-आज शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रामनगर में दो आयोजन किया गया। जहां एक ओर कक्षा 9वीं एवं 11वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम की विधिवत घोषणा की गई, वहीं दूसरी ओर विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल के सेवानिवृत्ति समारोह का भी आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ व्याख्याता श्री जायसवाल वर्ष 1980 से 2025 तक विद्यालय में सेवा देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया जिन्हें इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से शाल, श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उनकी शिक्षण पद्धति, संस्कृत ज्ञान, और विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों से जोड़ने की शैली सदैव स्मरणीय रहेगी। कार्यक्रम में एसएमडीसी अध्यक्ष बाबूलाल यादव, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुषमा बखला, समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, अभिभावकगण एवं जनप्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस भावुक अवसर पर विद्यालय परिसर में श्रद्धा, प्रेरणा और सम्मान का वातावरण देखने को मिला।

कटघोरा सब स्टेशन की कछुआ चाल से जल और बिजली आपूर्ति बाधित

कोरबा(विश्व परिवार)। कसनिया सब स्टेशन के निर्माण में हो रही देरी से आसपास के इलाके में जल प्रदाय और विद्युत प्रलय की समस्या बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कटघोरा सब स्टेशन में तीन ट्रांसफार्मर लगे हैं, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 5 एमवीए है। कुल मिलाकर 15 एमवीए की क्षमता के ट्रांसफार्मर यहां कार्यरत हैं। इनमें से एक 5 एमवीए का ट्रांसफार्मर टाउन-1 और टाउन-2 फीडर को आपूर्ति करता है । टाउन-1 फीडर अग्रसेन भवन से लेकर चकचका पहाड़ और छिर्रा रोड तक विस्तारित है, वहीं टाउन-2 फीडर से पुरानी बस्ती, कारखाना और कसनिया क्षेत्र को बिजली आपूर्ति होती है। दोनों ही फीडर वर्तमान में अत्यधिक ओवरलोड हो चुके हैं, जिससे बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है। ओवरलोड की समस्या को कम करने के लिए बिंझरा के पावर ट्रांसफार्मर से पुरानी बस्ती, कारखाना, कसनिया, कापू बहरा और जुराली क्षेत्र की लाइनें जोड़ी गई हैं। इससे लाइन की लंबाई काफी बढ़ गई है, जिसके कारण लगातार ट्रिपिंग हो रही है। इसी लाइन से वार्ड क्रमांक 15 स्थित पंप हाउस को भी पानी आपूर्ति के लिए बिजली मिलती है। बिजली बाधित होने के कारण पंप हाउस से जल आपूर्ति भी रुक गई है, जिससे नागरिकों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि सभी स्टेशन निर्माण के कार्य को समय सीमा में करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन लंबा समय गुजारने पर भी ऐसा नहीं हो सका। इस मामले में प्रोजेक्ट मैनेजर का कहना है कि खामियों को दिखाया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुभाग स्तर पर सीएसपी व एसडीओपी ने विवेचकों को दी नवीन कानूनों का विशेष प्रशिक्षण

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) नवीन आपराधिक कानूनों को लेकर जिले की पुलिस सक्रियता से कार्य कर रही है और नए कानूनों के तहत कार्रवाई की जा रही है किन्तु कुछ मामलों में व्यावहारिक कठिनाइयां को देखते हुए विवेचकों (आईओ) को नवीन कानूनों का प्रशिक्षण दिए के निर्देश डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस राजपत्रित अधिकारियों को दिए है। जिसके परिपालन में नवीन तीन कानूनों का प्रशिक्षण अनुभाग स्तर पर सीएसपी व एसडीओपी के द्वारा दी गई। सोमवार, 28 अप्रैल 2025 को एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के द्वारा थाना ओड़गी भवन, सीएसपी एस.एस.पैंकरा ने थाना

सूरजपुर, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा ने थाना जयनगर, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी ने थाना प्रेमनगर, एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके ने थाना प्रतापपुर व व डीएसपी रितेश चौधरी ने थाना भटगांव में अपने अनुभाग के थाना-चौकी प्रभारी एवं सभी विवेचकों को नवीन कानूनों के संबंध में कैप्सूल कोर्स आयोजित कर बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता), बीएनएनएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) एवं बीएसए (भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के प्रावधानों की सविस्तार जानकारी देते हुए डिजिटल एविडेंस कलेक्शन की प्रक्रियाओं को सरल ढंग से समझाया गया।

इस दौरान पुलिस राजपत्रित अधिकारियों ने प्रशिक्षण में विवेचकों को केस की विवेचना के दौरान होने वाली छोटी त्रुटियों से बचने, साक्ष्य संकलन की सावधानियों, फोटोग्राफी-विडियोग्राफी की उपयोगिता एवं पीड़ितों तथा गवाहों के साथ संपर्क बनाए रखने, पीड़ित को कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश दिए। विवेचकों को बताया गया कि कानून एवं प्रकियाओं की सटीक जानकारी होने से अपराध की विवेचना उत्कृष्ट होगी और माननीय न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ दोषसिद्धि का प्रतिशत बढ़ेगा।

पुलिस के बीट व्यवस्था में सूरजपुर पुलिस अधीक्षक ने किया बदलाव

थाना प्रभारी की तरह बीट प्रभारी भी अपने बीट का होंगे जवाबदेही

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-बीट प्रणाली पुलिसिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण रणनीति है। बेसिक पुलिसिंग मजबूत करने के लिए डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने बीट सिस्टम में सुधार किए हैं। निरीक्षक, एसआई या एएसआई स्तर का अधिकारी बीट प्रभारी होगा और प्रधान आरक्षक, आरक्षक तथा सहयोगी नगर सैनिक सदस्य बीट अधिकारी होंगे। अब तक बीट प्रभारी और पुलिसकर्मियों के पास उनकी बीट में होने वाले अपराधों की जांच करने, अपराधियों को पकड़ने और रात्रि गश्त का काम था। नई व्यवस्था में जो जवाबदारी थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी की है बीट क्षेत्र में बीट प्रभारी की होगी। बीट में रहने वालों से जनसंपर्क का काम करना होगा। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने 28 अप्रैल 2025 को नई बीट व्यवस्था लागू करने पुलिस अधिकारियों एवं बीट प्रभारियों की बैठक लेते हुए निर्देश दिए है। सोमवार से नया बीट सिस्टम लागू कर दिया गया है। जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों में 75 बीट बनाई हैं। उन्होंने बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में पुलिस रेगुलेशन के पैरा के अनुसार कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस

हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिये गये निर्देशों को विस्तार से बताया।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कहा कि सभी बीट प्रभारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारी रखेंगे, आवश्यकता के अनुसार प्रत्येक थाना क्षेत्र में तीन से पांच बीटें गठित की हैं। बीट प्रभारी और अधिकारी दोनों अपनी पॉकेट डायरी में बीट की सेंसेटिव लोकेशन, बीट में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर, पुराने अपराधियों की गतिविधियों की जानकारी, स्थायी वारंटी तथा जिलाबदर आपराधिक तत्वों की जानकारी लिखेंगे। बीट में रहने वाले सामाजिक गतिविधि में सक्रिय लोगों और सूचना देने वालों से लगातार संपर्क में रहेंगे। बीट अधिकारी जानकारी से अपने प्रभारी को अवगत कराएंगे। बीट प्रभारी रोल कॉल में या व्यक्तिगत रूप से थाना प्रभारी को जानकारी देंगे। थाना प्रभारी आवश्यक कार्यवाही करेंगे। संबंधित एसडीओपी और वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग करेंगे। इस दौरान बीट सिस्टम के कार्य।

डीआईजी व एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों व बीट प्रभारियों को कहा कि अवैध गतिविधियों पर नजर रखेंगे और प्राथमिक जवाबदारी एरिया के बीट अधिकारी की होगी जो क्षेत्र में घूमकर एवं वाटसएप ग्रुप के माध्यम से जानकारी एकत्र करेगा और जनता के संपर्क में लगातार रहेगा। बीट अधिकारी से मिलने वाली जानकारी के बाद बीट प्रभारी की जवाबदारी होगी कि प्राप्त सूचना पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जाए। बीट प्रभारी सप्ताह में कम से कम एक बार बीट का संपूर्ण भ्रमण करेगा। उन्होंने कहा कि अब यह जिम्मेदारी तय कर दी है ताकि व्यवस्था मजबूत हो सके।

पुलिस की सभी बीट में बनी वाटसएप ग्रुप- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के निर्देश पर बीट प्रणाली को और सशक्त बनाने, प्रत्येक गांव मोहल्ले की छोटी-छोटी घटनाओं की जानकारी सहित महत्वपूर्ण विषयों तथा प्रत्येक गतिविधियों से अपडेट रहने, ग्रामीणों की समस्याओं को जानने एवं निराकरण करने, नागरिकों से सतत समन्वय एवं साइबर अपराध से बचाव कैसे की जाए इसे लेकर जिले के सभी थाना-चौकी क्षेत्र में बने बीट का वाटसएप ग्रुप बनाई जा चुकी है। इस ग्रुप में प्रमुख रूप से आधुनिक दौर में किस प्रकार धोखेबाज कैसे किसी नागरिक को लालच का जाल बिछाकर धोखाधड़ी को अंजाम देता है, म्यूल अकाउंट क्या है और बचाव के क्या-क्या उपाए है इन जानकारियों को साझा की जा रही है।

संपादकीय आतंकवाद पर अमरीका का ढुलमुल रवैया

हिन्दी भाषा को मंजूरी नहीं

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे का कहना है कि उनका दल महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा को अनिवार्य बनाने के कदम को मंजूरी नहीं देगा। राज्य सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप पहली कक्षा से पांचवीं तक छात्रा के लिए हिन्दी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के फैसले के मद्देनजर उनकी यह टिप्पणी आई है। उद्धव ने शिव सेना की श्रमिक शाखा के कार्यक्रम में कहा कि उनके दल को हिन्दी से परहेज नहीं है पर इसे छात्रों पर नहीं थोपा जा सकता। पिछले दिनों हिन्दीभाषी बैंककर्मी के साथ हाथापाई की घटना के अतिरिक्त मुंबई में लगातार शिवसैनिकों द्वारा भाषाई विरोध हो रहा है। इससे पहले भी उत्तर भारत से बाहर के राज्यों द्वारा हिन्दी थोपे जाने के खिलाफ विपक्ष मुखर होता रहता है। भाषा को लेकर झगड़ा नया नहीं है परंतु इसका मकसद राजनीतिक प्रतीत होता है। देश के आधे से अधिक नागरिक हिन्दी को बोलचाल की भाषा की तरह प्रयोग करते हैं। यह देश की सबसे ज्यादा बोली भाषा भी है। केवल 26 प्रतिशत लोगों की मातृ भाषा होने के बावजूद हिन्दी का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 69 करोड़ बताई जाती है, जो कुल जनसंख्या का 57 प्रतिशत है। हालांकि अपने यहां हिन्दी में 56 मातृ भाषाएं संबद्ध हैं। देश भर को एक सूत्र में लपेटने वाला सिनेमा, टीवी धारावाहिक, विज्ञापन और गाने सब हिन्दी में ही मुंबई शहर में बनाए जाते हैं जिनके भरोसे रोजी-रोटी कमाने वालों में हर भाषा, वर्ग और राज्यनिवासियों का सहयोग होता है। मराठी की मूल लिपि कोंकणी होने के बावजूद आज वह देवनागरी में ही लिखी जा रही है। यूं तो देश में बंगाली और भोजपुरी बोलने वालों की संख्या अत्यधिक है परंतु राज्य सरकारें या स्थानीय शीर्ष नेताओं द्वारा मातृ भाषा की बजाय देशवासियों तक विचार पहुंचाने के लिए हिन्दी या अंग्रेजी ही प्रचलित है। यह भी याद रखना चाहिए कि जिन राज्यों में संस्कृत स्कूली स्तर पर अनिवार्य भाषा के तौर पर पढ़ाई जाती रही है, वहां से संस्कृत में धारा-प्रवाह श्लोक पढ़ने वाली पौध नहीं तैयार की जा सकी। दूसरे मातृ भाषा पढ़ने-लिखने वालों की संख्या भी तेजी से कम होती जा रही है। नौजवान उसी भाषा को प्राथमिकता देने को राजी होते हैं, जो उन्हें रोजगार दिलाने में सक्षम हो। भाषा विवाद राजनीतिक होता है। यह जनता भली-भांति जानती है। उसे भाषा के नाम पर बरगलाना नामुमकिन है।

आतंकवाद पर अमरीका का ढुलमुल रवैया

योगेंद्र योगी

इसके बाद व्यापारी अमरीका को लगने लगा कि इन प्रतिबंधों से अमरीका को ही घाटा हो रहा है, तब जाकर इनको हटाया गया। सही मायने में अमरीका भारत को बराबरी का दर्जा देने से गुरेज करता रहा है। अमरीका का प्रयास यही रहा है कि भारत को पाकिस्तान के समकक्ष रखा जाए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेन्स की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमरीका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमरीका सिर्फनिंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमरीका ने सिर्फ घडिय़ाली आंसू ही बहाए हैं। सही मायने में तो अमरीका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमरीका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमरीका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किंतु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमरीकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के

पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमरीकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्य कर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमरीकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमरीका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफकठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमरीका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किंतु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यावसायिक हित साधना भर रहा है। अमरीका के व्यावसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमरीका ने पाकिस्तान को घातक एफ-16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं, इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमरीका करता रहा है। अमरीका ने भारत के विरोध को नजरअंदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमरीका न सिर्फभारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोगों और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमरीका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आईज का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा के अहम सहयोगी अमरीका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाय भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं, अमरीका से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमरीका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमरीका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमरीका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमरीकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमरीका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमरीकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमरीका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमरीका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमरीका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमरीका ने नापंसद कर दिया। अमरीका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमरीका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमरीका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे यह पहली बार नहीं है जब अमरीका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमरीका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया। इसके बाद व्यापारी अमरीका को लगने लगा कि इन प्रतिबंधों से अमरीका को ही घाटा हो रहा है, तब जाकर इनको हटाया गया। सही मायने में अमरीका भारत को बराबरी का दर्जा देने से गुरेज करता रहा है। अमरीका का प्रयास यही रहा है कि भारत को पाकिस्तान के समकक्ष रखा जाए। भारत ने हर क्षेत्र में अपनी तरक्की से अमरीका के ऐसे प्रयासों को हमेशा झटका दिया है। ऐसे में अमरीका से कभी भी उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह पहलगाम में हुई आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान को दंडित करेगा। भारत को अपने बलबूते ही ऐसी वारदातों से निपटने और पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए दूरगामी नीति अपनानी होगी।

आलेख

पोषण 2.0 दिशा-निर्देशों के दायरे में शुरू

डॉ. अनन्या अवस्थी

भारत में 7वां पोषण पखवाड़ा अप्रैल में मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य पोषण ट्रैकर के नए शुरू किए गए लाभार्थी मॉड्यूल के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सामुदायिक सशक्तिकरण के एक नये चरण की शुरु आत करता है, जिससे नागरिकों के हाथों में सीधे कार्ययोग्य पोषण डेटा उपलब्ध होता है। राष्ट्रीय पोषण नीति ढांचे उर्फ पोषण 2.0 दिशा-निर्देशों के दायरे में शुरू की गई यह नई सुविधा लंबे समय से चली आ रही चुनौती का समाधान करती है= आंगनवाड़ी कायरे में समुदाय का कमजोर स्वामित्व, जिसने अक्सर देश भर में पोषण हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को सीमित कर दिया है। पोषण ट्रैकर मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन है जिसका उपयोग पहले से ही हर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पोषण और बच्चों की देखभाल सेवाओं के वितरण पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करने के लिए किया जाता है, अब इसकी पहुंच उन लोगों तक हो गई है, जिन्हें यह सेवा प्रदान करना चाहता है। यह विशेष मॉड्यूल आपको अपने स्थान के सबसे नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र का पता लगाने में सक्षम बनाता है और गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं, 6 वर्ष तक के बच्चों और किशोरियों के लिए स्व-पंजीकरण की सुविधा प्रदान करता है। महिला लाभार्थी गर्भावस्था के तिमाही, एनीमिया की स्थिति, गर्भावस्था के दौरान वजन बढ़ने को रिकॉर्ड करने और टेक-होम राशन (टीएचआर) और गर्म पके हुए भोजन (एचसीएम) की प्राप्ति पर नजर रखने सहित अपने सेवा इतिहास की निगरानी करने के लिए इस मॉड्यूल का उपयोग कर सकती हैं। माता-पिता और देखभाल करने वाले भी अपने बच्चे की लंबाई और वजन की सक्रिय रूप से निगरानी करने, यह जांचने के लिए कि क्या वे विकास संबंधी क्षमताओं को प्राप्त कर रहे हैं, और टीएचआर और एचसीएम के लिए पात्रता सत्यापित करने के लिए ऐप का उपयोग कर सकते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक यह है कि यह लाभार्थियों को आंगनवाड़ी सेवाओं की अपर्याप्त प्राप्ति से संबंधित शिकायतों के निवारण की मांग करने का अधिकार देता है। उदाहरण के लिए, स्तनपान कराने वाली मां, उसका पति या परिवार का कोई भी सदस्य अब टीएचआर न मिलने या स्थानीय आंगनवाड़ी केंद्र की समस्याओं, जैसे अनियमित रूप से खुलने या बुनियादी ढांचे की कमी जैसी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकता है। पोषण ट्रैकर का लाभार्थी मॉड्यूल अपने लाभार्थियों के साथ सीधा संबंध स्थापित करके पोषण ट्रैकर को इंटरैक्टिव, नागरिक-केंद्रित, डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य और पोषण प्रणाली के लिए एक बेंचमार्क में बदलने के लिए कई आशाजनक रास्ते खोलता है। मॉड्यूल के लिए विचार करने के लिए चार आशाजनक भविष्य की दिशाएं हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारत में स्मार्टफोन के व्यापक उपयोग का लाभ उठाते हुए, इस मॉड्यूल में निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र में मिलने का समय निर्धारित करने या आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर पर दौरा करने की व्यवस्था करने जैसी सुविधाएं शामिल की जा सकती हैं। दूसरा, आगामी समुदाय-आधारित कार्यक्रमों के बारे में लाभार्थियों को संक्षिप्त संदेश या अलर्ट भेज कर, लाभार्थी मॉड्यूल स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं के साथ नागरिकों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में काम कर सकता है। इससे वजन दिवस जैसी सामुदायिक गतिविधियों में लाभार्थी की भागीदारी बढ़ सकती है, जहां गांव के सभी बच्चों का मासिक वजन लिया जाता है, अन्नप्राशन जैसे पोषण कार्यक्रमों का जश्न मनाया जाता है, जो छोटे बच्चों को ठोस खाद्य पदाथरे की शुरु आत का प्रतीक है और ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण दिवस के लिए स्थानों और तिथियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। तीसरा, पोषण ट्रैकर के भीतर एक इन-बिल्ट फीडबैक सिस्टम के निर्माण से लाभार्थियों को प्राप्त आंगनवाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने की सुविधा मिलेगी, जिसमें विकास निगरानी, खाद्य राशन की डिलीवरी, घर का दौरा और गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के लिए रेफरल शामिल हैं। यह वृद्धि पोषण ट्रैकर को ऐसे प्लेटफॉर्म में बदल सकती है जो सेवा वितरण के सामाजिक ऑडिट की अनुमति दे सकता है, जिससे लाभार्थियों की जरूरतों और मांगों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके।

रेसिप्रोकल टैरिफ नीति से वैश्विक अर्थव्यवस्था हिला

विनीत नारायण

वैश्विक व्यापार में संरक्षणवाद का दौर एक बार फिर से उभर रहा है। अप्रैल, 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित पारस्परिक टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) नीति ने वैंकि अर्थव्यवस्था को हिला दिया है। यह नीति अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम भारत और विश्व की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहे हैं। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अरुण कुमार इस नीति के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए बताते हैं कि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति को पारस्परिक करार देते हुए कहा है कि यह अन्य देशों द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए गए टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं (जैसे मुद्रा हेरफेर और नियामक अंतर) के जवाब में उठाया गया कड़ा कदम है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर 52= का प्रभावी टैरिफ लगाता है, जिसके जवाब में भारत से आयात पर 27= का टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, इस गणना की सटीकता पर सवाल उठाए गए हैं। समिट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने व्यापार घाटे और आयात मूल्य के आधार पर टैरिफ दरें तय कीं जो विश्व व्यापार संगठन के डेटा से मेल नहीं खातीं। भारत का अमेरिकी वस्तुओं पर औसत टैरिफ दर 2023 में केवल 9.6= था, जो अमेरिकी दावों से काफी कम है। इस नीति में दो स्तर के टैरिफ शामिल हैं= 5 अप्रैल से सभी देशों पर 10= का आधारभूत टैरिफ और 9 अप्रैल से देश-विशिष्ट टैरिफ। कुछ वस्तुओं जैसे फार्मास्यूटिकल्स और ऊर्जा उत्पादों को टैरिफ से छूट दी गई है, जिससे भारत के कुछ क्षेत्रों को राहत मिली है। भारत, जो अमेरिका का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है, 2024 में 80.7 बिलियन डलर का माल अमेरिका को निर्यात करता था। 27= टैरिफ से भारत के कई क्षेत्र प्रभावित होंगे, लेकिन कुछ क्षेत्रों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी मिल सकता है। प्रो. अरुण कुमार के अनुसार, इस नीति का प्रभाव अल्पकालिक और दीर्घकालिक, दोनों रूपों में देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत के 14 बिलियन डलर के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात और 9 बिलियन डलर के र प्रतिशत-आभूषण निर्यात पर टैरिफ का भारी असर पड़ेगा। ये क्षेत्र अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं और लागत में वृद्धि से उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है। इसके साथ ही मछली, झींगा और प्रसंस्कृत समुद्री खाद्य उद्योग, जो 2.58 बिलियन डलर का है, पर 27.83= का टैरिफ अंतर भारत की प्रतिस्पर्धा को कम करेगा खासकर जब पहले से ही अमेरिका में एंटी-डंपिंग शुल्क लागू हैं। भारतीय वस्त्र उद्योग को मिश्रित प्रभाव का सामना करना पड़ेगा। हालांकि भारत पर टैरिफ वियतनाम (46=) और बांग्लादेश (37=) की तुलना में कम है, फिर भी बाजार और मुनाफे में कमी का जोखिम बना रहेगा। वहीं भारत के 9 बिलियन डलर के फार्मास्यूटिकल निर्यात को टैरिफ से छूट दी गई है, जिससे इस क्षेत्र को राहत मिली है। भारतीय फार्मा कंपनियों के शेयरों में 5= की वृद्धि देखी गई। हालांकि सॉफ्टवेयर सेवाएं प्रत्यक्ष रूप से टैरिफ से प्रभावित नहीं हैं, लेकिन वीजा प्रतिबंध और व्यापार तनाव भारतीय आईटी कंपनियों जैसे टीसीएस और इन्फोसिस के लिए चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। प्रो. कुमार का मानना है कि भारत को कुछ क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है, क्योंकि चीन और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों पर अधिक टैरिफ लगाए गए हैं। उदाहरण के लिए परिधान और जूते जैसे क्षेत्रों में भारत अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है। टैरिफ के कारण भारत के निर्यात में 30-33 बिलियन डलर की कमी आ सकती है। अर्थशास्त्रियों ने भारत की 2025-26 की विकास दर को 20-40 आधार पर कम करके 6.1= कर दिया है। हालांकि, भारत सरकार का दावा है कि तेल की कीमतें 70 डलर प्रति बैरल से नीचे रहती हैं, तो 6.3-6.8= की विकास दर हासिल की जा सकती है। अमेरिकी टैरिफ नीति का वैंकि अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। प्रो. कुमार के अनुसार, यह नीति वैश्विक व्यापार प्रणाली में 1930 के स्मूट-हले टैरिफ एक्ट के समान व्यवधान पैदा कर सकती है। टैरिफ से वैंकि व्यापार की गति धीमी होगी, जिससे आर्थिक विकास प्रभावित होगा। जेपी मार्गन ने चेतावनी दी है कि यदि यही टैरिफ नीति लागू रहती है, तो अमेरिका और वैंकि अर्थव्यवस्था मंदी में आ सकती है। इससे आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी, जिससे अमेरिका में मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। बोस्टन फेडरल रिजर्व बैंक का अनुमान है कि टैरिफ से कोर पीसीई मुद्रास्फीति में 0.5-2.2= की वृद्धि हो सकती है। वैंकि शेयर बाजारों में गिरावट और मुद्रा अस्थिरता पहले ही देखी जा चुकी है। चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ की घोषणा की है, जिससे वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इससे आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होंगी और व्यवसायों को लागत बढ़ने का सामना करना पड़ेगा। कम प्रति व्यक्ति आय वाले देश जैसे कंबोडिया (50= टैरिफ) सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इससे अमेरिका की विकासशील देशों में साख को नुकसान हो सकता है। प्रो. कुमार का सुझाव है कि भारत को इस संकट को अवसर में बदलने के लिए रणनीतिक कदम उठाने चाहिए। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर तेजी से काम करना चाहिए। 23 बिलियन डॉलर के अमेरिकी आयात पर टैरिफ कम करना एक शुरुआत हो सकती है। यूरोपीय संघ, आसियान और मध्य-पूर्व जैसे वैकल्पिक बाजारों पर ध्यान देना चाहिए। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को तेज करना महत्त्वपूर्ण होगा। घरेलू उत्पादन और खपत को बढ़ावा देना चाहिए। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए सब्सिडी, कर राहत और निर्यात प्रोत्साहन जैसी योजनाओं को लागू करना चाहिए। अमेरिकी टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता का माहौल पैदा किया है। भारत के लिए यह चुनौती होने के साथ-साथ अवसर भी है। भारत रणनीतिक रूप से कार्य करे, तो न केवल इन टैरिफों के नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है, बल्कि वैंकि आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति को भी मजबूत कर सकता है।

संधि का स्थगन प्रदेश के विकास का आधार

प्रवीण कुमार शर्मा

प्रदेश सरकार चाहे तो इस संधि के टूटने के बाद की परिस्थितियों का लाभ उठाकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने का कदम बढ़ा सकती है पहलगाम हमले के विरोध में भारत सरकार ने प्रारंभिक स्तर पर जो कदम उठाए हैं, उनमें वर्ष 1960 में भारत-पाक के बीच वर्ल्ड बैंक द्वारा व्यवस्थित सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। भारत सरकार के इस निर्णय से हालांकि शुरुआती दौर में तो पाकिस्तान को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, पर अगर भारत इस संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से आई नदियों के जल प्रवाह की दिशा को परिवर्तित करने के लिए एक आधारभूत ढांचे का निर्माण कर लेता है, तो उत्तर भारत में खुशहाली की नई इबारत तो लिखी जाएगी ही, साथ में पाकिस्तान की लगभग 21 करोड़ की जनसंख्या सीधे तौर पर प्रभावित होगी जो पाकिस्तान को हमेशा के लिए घुटनों पर लाने के लिए काफी है। भारत सरकार अगर अपने इस निर्णय पर अडिग रहती है तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे और पाकिस्तान के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो सकता है। आज से 9 वर्ष पूर्व इसी विषय पर 'दिव्य हिमाचल' के संपादकीय में प्रकाशित मेरे एक लेख में मैंने इस भेदभावपूर्ण संधि में बदलाव के बारे में स्पष्ट लिखा था और कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ हुई इस गलत संधि से पीछे हट जाता है तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद समेत कई समस्याओं का पूर्ण रूपेण सफाया हो जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग 9 वर्षों की बातचीत के पश्चात 19 सितंबर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच सिंधु जल संधि हुई थी। इस संधि के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का नियंत्रण मिला था, वहीं पाकिस्तान को झेलम, चेनाब और सिंधु नदी पर अधिकार मिला, हालांकि भारत पश्चिमी नदियों के भारत में बहने के दौरान कुछ हिस्से का सीमित मात्रा में उपयोग कर सकता था, परंतु यह कमोबेश पाकिस्तान की मर्जी पर ही निर्भर था। इस संधि को इसलिए भी भेदभावपूर्ण और गलत माना जाता रहा है क्योंकि इस संधि में भारत के हिस्से आई तीनों नदियों का कुल जल प्रवाह 41000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है, वहीं अकेली सिंधु नदी का जल प्रवाह 233000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत को इस समझौते से 30 फीसदी, तो पाकिस्तान को कुल 70 फीसदी पानी मिला

और सबसे ज्यादा अपमानजनक पहलू तो यह था कि भारत को इस संधि की अनुसार 125 मीट्रिक टन सोना अथवा 6 करोड़ 20 लाख पाउंड पाकिस्तान को देने के लिए बाध्य किया गया और भारत की कमजोरी देखिए कि 1965 के युद्ध के बावजूद भारत ने दस वार्षिक किस्तों में यह धनराशि पाकिस्तान को दी। इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी ही कहा जाएगा कि तीन युद्धों के बाद भी इस संधि को नहीं तोड़ा गया। इस संधि के टूटने से पाकिस्तान पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। कृषि आधारित उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। पहले से ही कई तरह की आंतरिक समस्याओं में उलझा पाकिस्तान इस झटके को सहन करने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान ने शायद सोचा ही नहीं था कि भारतीय नेतृत्व कभी इस हद तक जा सकता है। तीन युद्धों के पश्चात भी इस संधि के न टूटने को पाकिस्तान ने इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी मान लिया था और शायद यही कारण रहा होगा कि वह वर्तमान सरकार के निर्णय लेने की क्षमता का आकलन करने में गलत साबित हुआ। अब वह इसे लेकर अपनी आदत के अनुरूप हाय-तौबा तो जरूर मचाएगा, पर होगा वही जो भारत चाहेगा। इस संधि का भविष्य क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, पर इतना निश्चित है कि अगर भारत सरकार चाहे तो आतंकवाद समेत कई बड़ी समस्याओं का निराकरण इस संधि के सहारे पाकिस्तान की गर्दन दबाकर कर सकता है। भारत को होने वाले लाभ को अगर हम एक तरफ कर दें और केवल हिमाचल की दृष्टि से इस संधि के टूटने से होने वाले प्रभावों का आकलन करें तो भविष्य में सबसे ज्यादा लाभ हिमाचल को होने वाला है। हिमाचल प्रदेश सरकार चाहे तो इस संधि के टूटने के बाद की परिस्थितियों का लाभ उठाकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकती है। सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से में आने वाली पश्चिमी नदियों में से एक चंद्रभागा (चेनाब) नदी जम्मू-कश्मीर में मिलने से पहले लाहुल-स्पीति के तांदी से पांगी घाटी के पद्दर तक 136 किमी हिमाचल प्रदेश में बहती है। तांदी में चंद्रा और भागा का संगम होने से पूर्व चंद्रा नदी अपने उद्गम स्थल से 115 किमी व भागा लगभग 60 किमी का सफर तय करती है। पर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि सुंदर प्राकृतिक दृश्यावलियों के बीच इतनी लंबी दूरी तय करने के बावजूद लाहुल और पांगी के साथ ही प्रदेश को सबसे ज्यादा जल घनत्व वाली इस नदी का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। एक अनुमान के अनुसार चंद्रभागा नदी बेसिन में 11000 मेगावाट जल विद्युत उत्पादित करने की क्षमता है, पर सिंधु जल संधि के कारण आज तक हम एक मेगावाट विद्युत क्षमता का भी दोहन नहीं कर पाए हैं।

क्या अक्षय तृतीया सिर्फ आहारदान दिवस है?

आचार्य श्री अतिवीर मुनि जी

दिल्ली (विश्व परिवार)। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव श्री ऋषभदेव भगवान को वैसाख शुक्ल तृतीय को हस्तिनापुर नगरी में इक्षु (गन्ना) रस का प्रथम आहार प्राप्त हुआ था। उसी दिन से दान-तीर्थ का प्रवर्तन हुआ तथा इस शुभ तिथि को अक्षय तृतीया के नाम से पुकारा जाने लगा। महामुनि ऋषभदेव ने जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार कर सर्वत्र अहिंसा का पाठ पढ़ाया तथा जन मानस के समक्ष तप-त्याग-तपस्या को परिभाषित किया। छह माह तक घोर तपश्चर्या के पश्चात जब मुनिराज आहारचर्या हेतु नगर की ओर बढ़े तो किसी भी श्रावक को दिगम्बर मुनिराज की आहारचर्या की विधि का ज्ञान नहीं था। छह माह तक विचरण करते हुए महामुनि के हस्तिनापुर पहुंचने पर राजा श्रेयांस को जाति-स्मरण हुआ तब उन्होंने पड़गाहन कर नवधाभक्ति पूर्वक उनका निरन्तराय आहार करवाया।

हम सभी ने महामुनि की प्रथम आहारचर्या की ख़ुशी तो मना ली परन्तु क्या कभी इस तथ्य पर गौर किया कि ऐसे महातपस्वी को भी आहार के लिए इतने लम्बे समय के लिए क्यों इंतज़ार करना पड़ा? क्या सदैव तपस्या में संलग्न, सदा कर्मों की निर्जरा में तत्पर महामुनि ऋषभदेव को भी पूर्व में किए गए कर्मों का हिसाब देना पड़ा। शायद हम सभी ने अपनी सुविधा के लिए इन सभी विषयों को गौण कर बस उनकी प्रथम आहारचर्या का उत्सव मना लिया। लेकिन वास्तविकता को नकारा नहीं जा सकता और हमें इसपर चिन्तन अवश्य करना होगा कि कर्मों की मार से कोई भी, कभी भी, किसी भी सूरत में नहीं बच सकता।

अक्षय तृतीया केवल महामुनि ऋषभदेव का पारणा दिवस नहीं है अपितु यह दिवस इस बात का भी द्योतक है कि पूर्व में किए गए कर्म हमारे आगे अवश्य आते है तथा हमें उन सभी का हिसाब-किताब यहीं पर चुकता करना पड़ता है। राजकुमार अवस्था में श्री ऋषभदेव ने फसल की सुरक्षा के लिए जानवरों के मुख पर छींका बांधने की प्रेरणा दी थी, फलस्वरूप उन्हें छः माह तक आहार प्राप्त नहीं हुआ। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या केवल प्रेरणा देने मात्र से इतना कष्ट? जी हाँ, बिल्कुल ऐसा ही होता है। आगम के झरोके से यह स्पष्ट होता है कि सभी जीवों को कृत-कारित-अनुमोदना, इन तीनों के द्वारा पाप कर्म का आश्रव होता है। पाप को स्वयं करना अथवा किसी दूसरे के द्वारा करवाना अथवा किसी दूसरे के द्वारा किए गए पाप की प्रशंसा करना, इन सभी में महापाप का बंध होता है।

हम सभी को अपने अन्तरंग में झाँककर यह भली प्रकार से देख लेना चाहिए कि हम कब, कहाँ और किस प्रकार से पाप कर्म का बंध कर रहे हैं। जीवन में सदैव सचेत अवस्था में रहकर पाप से बचते हुए अपने परम लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अविरल बढ़ते रहना चाहिए। आचार्यों ने कहा है कि एक मूर्छित व्यक्ति दस मुर्दों से भी ज्यादा खतरनाक होता है। हम अपने जीवन में हमारी नादानी, हमारी अज्ञानता, हमारी असावधानी के कारण ना जाने कितने कर्मों का बंध कर लेते हैं। अक्षय तृतीया के इस परम पुनीत दिवस पर हम सभी को यह अवश्य समझना होगा कि कर्मों के बही-खाते से कोई भी जीव नहीं बच सकता तथा अपने जीवन में सदा सावधानी रखते हुए आत्म-कल्याण के लिए अग्रसर रहना चाहिए।

सुमतिधाम में पट्टाचार्य महोत्सव का दूसरा दिन श्रद्धा, साधना और समर्पण का प्रतीक बना

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा- गुरु के प्रति श्रद्धा से ही होता है ज्ञान का उदय

इंदौर (विश्व परिवार)। गोधा एस्टेट के सुमतिधाम में चल रहे छह दिवसीय पट्टाचार्य महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और आत्मीयता का अद्भुत संगम देखने को मिला। 40 डिग्री की तीव्र गर्मी के बावजूद देशभर के 28 राज्यों सहित विदेशों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज और उनके विशाल संतवर्ग के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर देशना मंडप में आचार्यश्री ने प्रवचनों की अमृतवर्षा करते हुए कहा कि मौसम अपना धर्म नहीं छोड़ता, ऋतु अपनी प्रकृति नहीं बदलती, तो फिर हम गुरु भक्ति कैसे छोड़ सकते हैं? जब तक गुरु के प्रति श्रद्धा नहीं होगी, तब तक ज्ञान का उदय असंभव है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे आम को देखकर मुंह में रस आ जाता है, वैसे ही गुरु व जिनेंद्र भगवान के दर्शन से सम्यक दर्शन प्राप्त होता है और मिथ्यात्व का नाश होता है।

आहारचर्या भी अद्भुत- आचार्यश्री पुष्पदंत सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका माताजी ने भी प्रवचन कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक दिशा दी। महोत्सव में भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर आचार्यश्री को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन 360 चौकों में संतों की आहारचर्या संपन्न हो रही है। सोमवार को आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज की आहारचर्या का सौभाग्य प्रभा देवी गोधा एवं मनीष-सपना गोधा परिवार को प्राप्त हुआ। साथ ही 12 आचार्य, 8 उपाध्याय, 140 मुनिराज, 9 गणिनी आर्यिका, 123 आर्यिका माताजी और 105 ऐलक-क्षुल्लक संतों की आहारचर्या संपन्न हुई।

गर्मी में तपकर 'कुंदन' बनते संत, तपस्वियों के दर्शन से उमड़ा जनसैलाब- आचार्यश्री के शिष्य मुनि श्रुसत सागर व विमल सागर महाराज ने 40 डिग्री तापमान में खुले मैदान में तप कर धर्मक्षेत्र को तपोभूमि बना दिया। तपते पथ पर नंगे पांव चलते हुए आहार के लिए निकले गुरुदेव को देखकर गुरुभक्तों की श्रद्धा और समर्पण ने एक नई ऊंचाई को छुआ। सुमतिधाम परिसर में संतों की आहारचर्या हेतु लगाए गए 360 चौके अत्यंत विधिपूर्वक संचालित किए जा रहे हैं, जहां द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव की शुद्धि के साथ आहार निर्माण किया जाता है।

लेजर लाइट शो बना आकर्षण का केंद्र, संस्कृति व साधना का मिला संगम- रात्रि में आयोजित लेजर लाइट शो और महाआरती महोत्सव की प्रमुख विशेषता बनीं। भगवान आदिनाथ की गाथा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, जैन धर्म के प्रतीकों का प्रोजेक्शन मैपिंग और गीत-संगीत के माध्यम से धार्मिक संदेशों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

-अभिषेक अशोक पाटील

संक्षिप्त समाचार

माता कौशल्या महोत्सव की तैयारियों का उपाध्यक्ष अजा विकास प्राधिकरण व आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने किया स्थल निरीक्षण

चंद्रखुरी (विश्व परिवार)। आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब जी ने माता कौशल्या महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने हेतु माता कौशल्या मंदिर परिसर, चंदखुरी का दौरा किया। यह महोत्सव आज 29 एवं 30 अप्रैल 2025 को माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर गुरु खुशवंत साहेब ने स्थल पर पहुंचकर आयोजन से जुड़े समस्त व्यवस्थाओं की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। गुरुजी ने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता एवं धार्मिक विरासत को समर्पित है। माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की गौरवमयी पहचान हैं और इस महोत्सव के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति, कला एवं परंपरा को सहेजने का अद्भुत अवसर मिलेगा। गुरु साहेब ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनों की सहभागिता को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दान पर्व के रूप में मनाया जाता है जैन धर्म में अक्षय तृतीया

चंद्रखुरी (विश्व परिवार)। आज अक्षय तृतीया पर श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश रारा ने एक प्रेस नोट जारी कर

बतलाया की प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव ने दीक्षा के समय 6 मास का उपवास लिया था।उपवासोपरांत उन्होंने आहार हेतु विहार किया किंतु उन्हें 7 माह 9 दिन तक आहार प्राप्त नहीं हुआ क्योंकि दान की विधि किसी को मालूम नहीं थी। एक दिन भगवान ऋषभदेव को देखकर हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश को अपने पूर्व भव का स्मरण हो जाने के कारण दान की विधि मालूम हो गई और उन्होंने भगवान को प्रथम बार विधिवत पड़गाहन कर इक्षु रस का आहार दिया। उस दिन वैशाख शुक्ला तृतीया थी। उस दान के निमित्त से उस दिन राजा की भोजनशाला में भोजन अक्क्षुण हो गया। अत: उसी दिन से जैन धर्मावलंबी अक्षय तृतीया को दान पर्व के रूप में मनाते आ रहे हैं। **-कैलाश रारा**

कोटा से सुमतिधाम बस द्वारा यात्रा सानंद सम्पन्न

कोटा (विश्व परिवार)। गुरु आस्था परिवार के बैनर तले कोटा से सुमतिधाम यात्रा हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुई। सुमतिधाम इंदौर के लिए लगभग 100 यात्री कोटा से दो बसों के द्वारा रवाना हुए। पारस जैन पार्श्वमणि ने जानकारी देते हुवे बताया कि गुरु आस्था परिवार कोटा के बैनर तले इस यात्रा को जैन ध्वज दिखा कर रवाना करने हेतु सकल दिंगबर जैन समाज कोटा के महामंत्री पदम जी बडला कोषाध्यक्ष जितेंद्र जी हरसौरा एवम मंदिर समिति महावीर नगर विस्तार योजना के अध्यक्ष सिद्धार्थ जी जैन(बंटी) महामंत्री पारस जी पत्रिका गुरु आस्था परिवार, कोटा के अध्यक्ष लोकेश जी सीसवाली महामंत्री नवीन दौराया उपस्थित थे।विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पार्श्वमणि पत्रकार ने आगे बताया कि यात्रा व कार्यक्रम संयोजक पवन जी ठोला अनिल दौराया मुकेश कोटिया, आशीष टोंग्या, प्रमोद ठग ने बहुत शानदार तरीके से यात्रा संपन्न करवाई।सर्व प्रथम यात्रा सयोंजको एवम पदाधिकारियो का भाव भीना अभिनंदन किया गया। दिनांक 27 अप्रेल को रात्रि 9 बजे बस रवाना होकर अतिशय क्षेत्र पुष्पगिरी प्रात: काल पहुंची। जहा सभी श्रद्धालुओं ने दैनिक नित्य कर्म से निवृत्त होकर भक्ति भाव पूर्वक सभी जिनालयों के दर्शन किए। उसके बाद सभी के नाश्ता अल्पाहर की व्यवस्था बहुत लाजवाब रही। उसके बाद देवी अहिल्या की नगरी इंदौर सुमतिधाम तीर्थ पहुंचे। वहां पर विराट पट्टाचार्य महा महोत्सव में विराट धर्मसभा हुई। एक साथ इतने संतो की आहार चर्या देखते ही बनती थी। वास्तव में देव शास्त्र गुरु के परम भक्त दानवीर श्री मनीष गोधा श्रीमति सपना गोधा परिवार पट्टाचार्य महोत्सव अपने आप में एक चमत्कार से कम नहीं है उनके बारे में लिखने के लिए मेरे शब्द कोष में शब्द नहीं। कई जन्मों का पुण्य सिमट कर जब झोली में आता है तब जाकर पंचम काल में ऐसा अदद्भुत अपूर्व नजारा जीवन में मानव देख पाता है। 400 संतो के एक साथ दर्शन लाभ महान पुण्य शाली जीवन को हो मिल पाते है। कुल मिलाकर ये यात्रा अविस्मरणीय यादगार रही। इसको मै पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कभी नहीं भूल पाऊंगा। उधर अंकित जैन ने बताया कि आर के पुरम से भी एक बस जिसमें 50 अधिक श्रद्धालुगण ने इंदौर सुमतिधाम की सुखद यात्रा सम्पन्न की।

मैक सॉलिटेयर में कूकिंग एवं आर्ट एण्ड क्राफ्ट से लाभान्वित हुए महिलाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक) समता कॉलोनी, रायपुर में प्रति वर्ष ग्रीष्म कॉलीन माह में महिलाओं को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मैक सॉलिटियर का आयोजन किया जाता है। जिसमें 18 वर्ष व उससे अधिक वर्ष कि महिलाएं इस कार्यक्रम से जुड़कर अलग- अलग विधाओं में परांगत होकर रोजगार के अवसर की तलाश करती है।

मैक सॉलिटियर के सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन चेयरमेन श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. एम. एस. मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

इस सत्र भी अधिकतर महिलाएँ मैक सॉलिटियर में नामांकित होकर लाभ प्राप्त कर रही है। रोजाना महिलाओं की सेहत को ध्यान में रखते हुए जुम्बा क्लासेस करायी जाती हैं, साथ ही अन्य कार्यक्रम में कूकिंग एवं आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट, ई-कॉर्ड मेंकिग, योगा का आयोजन किया गया।

ऑर्ट एण्ड क्राफ्ट के अंतर्गत प्रशिक्षक निवेदिता पण्डा ने ओरिगामी, पेपर क्विलिंग, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग, टेउंढ्ढी आर्टवर्क बेसिक स्केसिचंग, वाटर कलर या एक्रेलिक पेंटिग के बेसिक जानकारी दी। योगा प्रशिक्षक कीर्ति साहू ने योगा में विभिन्न मुद्रा जिसमें आसन, मुद्राएं, प्राणायाम, धारण, प्रत्याहार की विस्तृत जानकारी दी गई। गौरव नवानी ने ई-कॉर्ड मेकिंग के माध्यम से 'इलेक्ट्रॉनिक कार्ड' के महत्व को समझाया तथा डिजिटल स्वरूप के विभिन्न पहलुओं से रूबरू कराया। कूकिंग शेक के अंतर्गत प्रशिक्षक महक लालवानी ने फ्रूट शेक, मिल्क शेक, स्मूदीज, चॉकलेट, ओरीओ शेक सिखाया साथ ही किचन से जुड़ी छोटी-छोटी बारीकियों से अवगत कराई।

मैक सॉलिटियर से जुड़कर महिलाएं लाभ प्राप्त कर रहे है आगामी दिनों में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें मेकअप, साइबर क्राइम, हेयर स्टाइल, डिजिटल मार्केटिंग, पर्सनालिटी डेवलेपमेंट, फैशन डिजाईन एवं सोशल मीडिया प्रमुख है।

रामदेव अग्रवाल द्वारा एनआईटी रायपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु 71 करोड़ रुपये का योगदान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सपूत श्री रामदेव अग्रवाल द्वारा एनआईटी रायपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु 71 करोड़ रुपये का योगदान मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने एनआईटी रायपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए 71 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता जताई

छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व के इस क्षण में, छत्तीसगढ़ की धरती के सपूत और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री रामदेव अग्रवाल ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (ष्टहृश्व-ढ्डश्वश्वञ्ज) हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 71 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक योगदान देने की घोषणा की है। यह परिवर्तनकारी पहल एनआईटी रायपुर को नवाचार और उद्यमिता के एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करेगी, जो भारतभर में आर्थिक विकास को गति देने और भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को सशक्त बनाने का कार्य करेगी।

डॉ. सुरेश के. हावरे, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, प्रो. एन. वी. रमना राव, निदेशक, एनआईटी रायपुर, कलेक्टर डॉ (गौरव कुमार सिंह, आईएएस और श्री अबिनाश मिश्रा, आईएएस के दूरदर्शी नेतृत्व में, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का प्रस्ताव प्रो. समीर बाजपेयी, प्रमुख, करियर डेवलपमेंट सेंटर; डॉ. अनुज कु. शुक्ला, संकाय प्रभारी, इनक्यूबेशन सेल; और श्री पवन कटारिया, सहायक कुलसचिव द्वारा 04 अप्रैल 2025 को मुंबई में प्रस्तुत किया गया था। इस परियोजना को श्री रामदेव अग्रवाल के साथ-साथ फाउंडेशन की निदेशक वेदिका अग्रवाल और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री महर्षी वैष्णव द्वारा अत्यंत उत्साह के साथ स्वीकार किया गया। यह पहल मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन, एनआईटी रायपुर और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, आईएएस और श्री अबिनाश मिश्रा, आईएएस के प्रतिनिधित्व में त्रिपक्षीय सहयोग से विकसित की जाएगी, जिनका यह प्रस्ताव आरंभ से ही पारित कराने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस सहयोग की नींव 03 नवंबर 2024 को श्री रामदेव अग्रवाल की एनआईटी रायपुर यात्रा के दौरान रखी गई थी।

छत्तीसगढ़ के गौरवशाली सपूत श्री रामदेव अग्रवाल, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं, आज भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं। उनका यह उदार योगदान केवल राष्ट्र निर्माण में उनकी रणनीतिक प्रतिबद्धता को ही नहीं दर्शाता, बल्कि मातृभूमि के प्रति उनके गहन प्रेम और कृतज्ञता को भी व्यक्त करता है।

ऋचा संस्था का स्थापना दिवस : बुजुर्गों ने कव्वाली से शुरुआत की मनमोहक प्रस्तुति, वृंदावन हाल में सम्पन्न हुए कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा का स्थापना दिवस समारोह वृंदावन सभागार में आयोजित किया गया। स्व शांति यदु का रोपा पौधा यदु परिवार के संरक्षण और संस्था के समस्त सदस्यों के सहयोग से आज विशाल वटवृक्ष का रूप ले लिया है, संस्था को फलता फूलता देख निश्चित ही वो अत्यंत प्रसन्न होंगी।

सचिव नीता श्रीवास्तव ने सर्वप्रथम माँ वीणापाणि के समक्ष अध्यक्ष डॉ मंजुलाहर्ष श्रीवास्तव, कल्पना यदु, मंजु यदु, अंजु यदु, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु के हाथों दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत हुई। माँ शारदे की सुमधुर वंदना प्रस्तुत की वर्षा रावल ने।इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम ऋचा के पुरूष सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई। और प्रस्तुतियों ने गजब का समां बांधा। प्रथम प्रस्तुति में डॉ चितरंजन कर ने बेहतरीन भजन, गीत, और गज़ल सुनाई जिसके लेखक संगीतकार और प्रस्तुतकर्ता वे स्वयं थे, तबले पर संगत दिया रूपेन्द्र श्रीवास्तव ने। 87 वर्षीय सुरेंद्र रावल जो उम्दा व्यंगकार भी हैं, ज्ञानदीप शीर्षक नाटक का एकल मंचन कर सभी को हैरत में डाल दिया। इस नाटक के लेखक निर्देशक और प्रस्तुतकर्ता भी सुरेंद्र रावल ही थे। गिरगिट नामक प्रहसन के मंचन ने तो अभिनय करने वाले समस्त साहित्यकारों के अभिनय की दक्षता पर मुहर लगा दी। मुख्य भूमिका में थे दिनेश गौतम जिनकी उम्दा अदाकारी ने तो जैसे गिरगिट को जीवंत ही कर दिया। पैरोडी गीत की प्रस्तुति ने जिसमें शादी ना करना यारों का जिक्र था दर्शकों को लोट-पोट होने पर मजबूर कर दिया इसके लेखक व संगीतकार ब्रिगेडियर प्रदीप यदु थे, और प्रस्तुत किया अपने साथी कलाकारों के साथ। शीर्षक लस्सी नामक नाटक ने श्रोतागणों की खूब तालियाँ बटोरी इसके मुख्य पात्र थे दिलीप वरवंडकर और इसकी स्क्रिप्ट राइटिंग और निर्देशन था के पी सक्सेना दूसरे का। कव्वाली की प्रस्तुति ने तो ऐसा रंग जमाया कि दर्शक झूम उठे। शांति यदु ने ऋचा की नींव रखकर उसके मजबूत स्तंभों की जो कल्पना की थी उन्ही कल्पनाओं को अल्फाजों में पिरोया के पी सक्सेना ने और ऋचा के समस्त पुरूष सदस्यों ने मिलकर लाजवाब प्रस्तुति दी और खूब वाह वाही बटोरी। अभिनीत कलाकार थे- डॉ सुरेश तिवारी, दिनेश गौतम, डॉ चितरंजन कर, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, आलिम नकवी, दिलीप वरवंडकर, के पी सक्सेना दूसरे। ऋचा संस्था मासिक गोष्ठी, संगीत का कार्यक्रम तथा हर वर्ष विभिन्न स्थानों पर भ्रमण का आयोजन भी करती है और ये सफरनामा 44 वर्षों से निर्बाध चल रहा है, उन्ही खूबसूरत यादों को समेटकर विडियों में दिखाया और सबने कैद कर लिया अपने जहन में। यदु परिवार अपनी माताजी स्व शांति यदु जो स्वयं प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा द्वारा एक्सलेंसी अवार्ड से सम्मानित थी उनके नाम से हर वर्ष दो वरिष्ठ साहित्यकारों को सम्मान प्रदान करता है। ऋचा की संरक्षिका कल्पना यदु के हाथों इस वर्ष यह सम्मान श्री गौहर जमाली को दिया गया। जो उम्दा शायर और लेखक के साथ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा हसन अली अवार्ड से सम्मानित हो चुके है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में TEDRDM-2025 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन किया गया आयोजित

पं. आरएसयू के पूर्व कुलपति प्रो. एस.के. पांडे ने अनुसंधान डेटा प्रबंधन के नैतिक और तकनीकी आयामों पर केंद्रित सम्मलेन का किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के तत्वावधान में अनुसंधान डेटा प्रबंधन के तकनीकी और नैतिक आयाम: डिजिटल फ्रंटियर को नेविगेट करना (TEDRDM-2025) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। यह कार्यक्रम राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (RRRLF), कोलकाता द्वारा प्रायोजित था और इसमें शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें उद्घाटन के दिन दो तकनीकी सत्रों में 70 से अधिक पंजीकरण और 18 पेपर प्रस्तुतियां हुईं।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी, रायपुर के पूर्व कुलपति प्रो. एस.के. पांडे ने किया, जिन्होंने आधुनिक शोध में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे डिजिटल उपकरणों के एकीकरण ने शोध प्रक्रिया में क्रांति ला दी है, और विद्वानों से इन प्रगति के नैतिक अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

यूनिवर्सिटी के प्रो-कुलपति श्री एस.एस. बजाज ने स्वागत भाषण दिया, आयोजकों के प्रति प्रशंसा व्यक्त की और आधुनिक डेटा विश्लेषण और शोध प्रथाओं का समर्थन करने के लिए पारंपरिक पुस्तकालयों से डिजिटल रिपॉजिटरी में संक्रमण के महत्व को रेखांकित किया।

अपने भाषण में, डीन अकादमिक प्रो. आर.आर.एल. बिराली ने डेटा प्रबंधन में नैतिक मानकों को बनाए रखते हुए तकनीकी प्रगति का दोहन करने की दोहरी आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल वर्कफ़्लो के बढ़ते प्रभाव का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। प्रतिष्ठित वक्ताओं में, प्रो. राजीव चौधरी, खेल निदेशक, पं. आरएसयू ने भविष्य कहनेवाला अध्ययन और सर्वेक्षण में डेटा की प्रासंगिकता पर बात की। प्रो. विजय के. गोयल, अध्यक्ष, सीजीपीयूआरसी ने नीति निर्माण में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों डेटा की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से बताया, और शोध डेटा और नीति विकास के बीच जटिल संबंधों पर प्रकाश डाला।

भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय और आरआरआरएलएफ के महानिदेशक प्रो ए.पी. सिंह ने मुख्य अतिथि का संबोधन दिया। उन्होंने आरआरआरएलएफ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों पर चर्चा की, मजबूत सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया और ज्ञान-संचालित समाज को आकार देने में छात्रों की मूलभूत भूमिका की पुष्टि की। सम्मेलन के संयोजक डॉ अभय मौर्य ने राष्ट्रीय सम्मेलन की पूरी जानकारी साझा की राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कला संकाय के डीन प्रोफेसर सचिन दीवान और डॉ. मानसिंह पांडे तथा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा उपस्थित थे। सम्मेलन ने शोध डेटा प्रबंधन में व्यावहारिक चुनौतियों के साथ अकादमिक चर्चा को सफलतापूर्वक जोड़ा, जिससे डिजिटल युग में विद्वानों के सहयोग के लिए एक नया मानदंड स्थापित हुआ।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 30 अप्रैल 2025

संक्षिप्त समाचार

नदी में डूबते डूबते बाल बाल बचे स्वास्थ्य मंत्री जयसवाल

मनेंद्रगढ़(विश्व परिवार),। जिले में मनेंद्रगढ़ से गुजरने वाली हसदेव नदी में बांस से बनी नाव (रिवर बम्बू राफ्टिंग) का संतुलन अचानक बिगड़ गया। इसकी वजह से भाजपा के नेता और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के सुरक्षाकर्मी पानी में गिर गए। हालांकि पानी कम होने की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है। दरअसल हसदेव नदी में वन विभाग ने शनिवार को ही बम्बू राफ्टिंग की शुरुआत कराई है। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, डीएफओ मनीष कश्यप सहित अन्य नेताओं जिसमें नगर पंचायत नई लेदरी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा नगरपालिका मनेन्द्रगढ़ के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा भाजपा नेता राहुल सिंह और युवा नेता सभाजीत यादव के अलावा मंत्री श्याम बिहारी का एक सुरक्षा कर्मी दो बम्बू नाव पर सवार होकर नदी का भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान एक बम्बू राफ्टिंग का संतुलन गलत तरीके से बैठने के कारण अचानक बिगड़ गया। हादसे के बाद भाजपा नेता राहुल सिंह और सुरक्षाकर्मी पानी में गिर गए। जबकि सभाजीत यादव बम्बू में पलट गए और धर्मेन्द्र पटवा संतुलन बिगड़ता देख बाहर निकल गए। हालांकि पानी कम होने की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने किया कोल्ड स्टोरेज का शुभारंभ

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। नगर के वार्ड क्रमांक 7 रिंग रोड में मां कुदरगढ़ी एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा बनवाए गए कोल्ड स्टोरेज शुभारंभ के अवसर पर विशाल किसान सम्मेलन में कृषि मंत्री राम विचार नेताम, नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल, मां कुदरगढ़ी एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के कन्हैया लाल अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, संजय अग्रवाल सहीत अन्य जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस दौरान श्री नेताम ने कृषि विभाग एवं उद्यान विभाग के द्वारा विभिन्न सामग्रियों का वितरण कृषकों को किया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज का खुलना किसानों के लिए वरदान से कम नहीं है। इस अवसर पर श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा कृषी को विशेष प्राथमिकता के क्रम में रखा गया है। किसानों के विभिन्न उत्पादो के भंडारण का उचित मूल्य मिले इसके लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने के लिए विशेष छूट दी जाती है। किसान खुशहाल एवं समृद्ध हो इसके लिए लगातार प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा किए जा रहे हैं। आप लोगों के आशीर्वाद एवं प्यार से मैं आज इस मुकाम पर पहुंचा हूं। मेरा प्रयास है कि क्षेत्र को ऊंचाई पर ले जाउ जिसके लिए लगातार मेरे द्वारा प्रयास किया जा रहे हैं। सामाजिक विचारक एवं चिंतक बजरंग मुनि ने कहा कि 60 वर्ष पहले मैं रामानुजगंज नगर पालिका अध्यक्ष रहा था मेरे साथ राधे श्याम जायसवाल एवं गोपाल गुप्ता परिषद में थे। तात्कालिक प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने किसानों से आह्वान कर खेती करने का आग्रह किया था तब मैंने कृषि कार्य करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष से इस्तीफा देकर कृषि कार्य की शुरुआत की थी। मेरे पूरे परिवार के सदस्य इस कार्य में लगे थे आज मुझे खुशी हो रही है कि जहां से मैं कृषि कार्य की शुरुआत की थी वही आज सैकड़ो किसानों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनकर तैयार हो गया है जिसका लाभ लोगों को मिलेगा। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि व्यापार बढ़ता है तो शहर भी बढ़ता है निश्चित रूप से कोल्ड स्टोरेज का यहां खुलना क्षेत्र के किसानों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा।

स्वामी आत्मानंद स्कूल गरियाबंद का रिजल्ट 95त्न के पार, प्रतिभाओं ने मारी बाज़ी — टॉपर्स को मिला सम्मान, स्पोकन इंग्लिश क्लासेस की भी घोषणा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, गरियाबंद में हाल ही में आयोजित परीक्षा परिणाम समारोह में शिक्षा, अनुशासन और नवाचार का अद्वितीय संगम देखने को मिला। विद्यालय परिसर में कक्षा पहली से ग्यारहवीं तक के परीक्षा परिणामों की सार्वजनिक घोषणा शाला विकास समिति, शिक्षकगण, पालकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में की गई।

समारोह की शुरुआत मां सरस्वती एवं भारत माता के वंदन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। परीक्षा परिणामों की घोषणा के साथ ही विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रमुख टॉपर्स:

कक्षा 1 से 4: ओजस्वी साहू - 99.71%

कक्षा 5 से 8: प्राजंलि यादव (छठवीं - 98.07%), निशा साहू (आठवीं - 96%)

कक्षा 9वीं: भावेश साहू - 98.3%

कक्षा 11वीं: दीपाली यादव - 97.2%

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष केसर निर्मलकर ने विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कक्षा 10वीं एवं 12वीं के आगामी टॉपर्स को प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। नगर पालिका अध्यक्ष रिखी यादव ने विद्यालय का निरीक्षण किया और शैक्षणिक गुणवत्ता की सराहना की।

इस अवसर पर पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही, विद्यालय के इको क्लब द्वारा पौधों पर क्त्रक कोड लगाए गए ताकि छात्र उनमें समाहित जानकारी को डिजिटल माध्यम से समझ सकें।

विद्यालय में कक्षा पहली के लिए ऑनलाइन आवेदन 5 मई 2025 तक आमंत्रित हैं। लॉटरी प्रक्रिया 6 मई से 10 मई के बीच संभावित है। अन्य कक्षाओं में सीटें उपलब्ध नहीं हैं। 1 मई से कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं आरंभ की जा रही हैं, जिनमें जिले के अन्य शासकीय और निजी विद्यालयों के विद्यार्थी भी भाग ले सकेंगे। इस आयोजन में संस्था प्रमुख दीपक कुमार बौद्ध सहित नरगिस कुरैशी, अर्चना पंचबीए, किशोर कुमार साहू, कोमल शर्मा, कमलेश असरानी, सुनीता परमार, सुजाता राणा, महिमा तिर्की, किरण नंद, डॉ. राकेश कुमार साहू सहित समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंधेरे में उम्मीद की रोशनी: अमलीपदर सीएचसी में मोबाइल लाइट के सहारे 6 सफल प्रसव

तेज तूफान के बीच डॉक्टरों ने दिखाई इंसानियत और साहस की मिसाल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले के अमलीपदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बीते 24 घंटों के भीतर छह नवजातों की किलकारियों ने पूरे क्षेत्र को खुशियों से भर दिया। लेकिन ये सिर्फ आम प्रसव नहीं थे, बल्कि सेवा, समर्पण और जज्बे की ऐसी कहानी बन गए जो हर किसी के लिए प्रेरणा है। रविवार रात आए तेज आंधी-तूफान से इलाके की बिजली व्यवस्था ठप हो गई थी। अस्पताल की सोलर बैटरी भी पांच डिलीवरी के बाद जवाब दे गई। लेकिन जब सबकुछ अंधेरे में डूबा था, तब डॉक्टरों और स्टाफ ने मोबाइल की रोशनी को जिंदगी की किरण बना लिया। मोबाइल फ्लैशलाइट की मदद से छठा प्रसव भी सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। सीएमएचओ डॉ. गार्गी यदु पाल ने बताया कि यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन स्वास्थ्यकर्मियों ने बिना घबराए सूझबूझ और निष्ठा के साथ काम किया।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रजीत भारद्वाज ने बताया कि यदि स्टाफ ने तत्परता नहीं दिखाई होती, तो एक जच्चा-बच्चा को गंभीर संकट झेलना पड़ सकता था। इस अद्वितीय सेवा में लीला, खुशबू और चित्रा सिस्टर का विशेष योगदान रहा। उन्होंने मोबाइल पकड़े रखा और दूसरी ओर डॉक्टर ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। इस दौरान लीलाबाई निषाद, सदराई बाई गोड़, हीरा बाई, बुनादी बाई निषाद, रूखमणी बाई और उलसो बाई टंकेश्वर गोड़ ने स्वस्थ शिशुओं को जन्म दिया। स्थानीय जनता ने भी सीएचसी स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी सेवा भावना और समर्पण विरले ही देखने को मिलती है। अमलीपदर स्वास्थ्य केंद्र ने कठिन समय में जो हिम्मत दिखाई, वह पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है।

बाल श्रमिक रखने पर दो होटल संचालकों से 40 हजार रुपए का जुर्माना वसूली

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री हरिस एस के निर्देशानुसार श्रम विभाग की टीम द्वारा विभिन्न संस्थाओं में जांच के दौरान 18 वर्ष से कम उम्र के बाल श्रमिक से कार्य कराए जाने वाले संस्थाओं के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में गत दिवस दो होटल संचालकों को बाल श्रमिकों से कार्य करवाते पाए जाने पर सम्बन्धितों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई, उक्त प्रकरणों की सुनवाई में श्रम न्यायालय द्वारा 40 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। श्रम पदाधिकारी श्री भूपेन्द्र नायक ने इस बारे में बताया कि श्रम विभाग की टीम के निरीक्षण के दौरान मौर्य होटल चित्रकोट तथा मलाबार होटल जगदलपुर के संचालक द्वारा बाल श्रमिकों से कार्य कराया जा रहा था। इस दौरान संयुक्त दल में शामिल श्रम निरीक्षक नमिता जॉन एवं नितेश महंत द्वारा उक्त सम्बंध में प्रकरण तैयार कर माननीय श्रम न्यायालय जगदलपुर में धारा 03 के तहत प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, जिसमें माननीय श्रम न्यायालय द्वारा सम्बन्धित संचालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 40 हजार रुपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। श्रम पदाधिकारी श्री नायक ने बताया कि जिले में बाल श्रम को रोकने के लिए

निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी और बाल श्रमिक से कार्य कराने वाले संस्थानों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जिले के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों तथा होटल संचालकों से आग्रह किया है कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से बाल श्रम ना कराएं और श्रम अधिनियमों का पालन सुनिश्चित करें।

बस के पिछले पहिए की चपेट में आने से महिला की मौत

जगदलपुर(विश्व परिवार)। जिले के थाना तोकापाल क्षेत्र में आज शनिवार की सुबह करीब 6 बजे एक महिला को जगदलपुर से बैलाडीला की ओर जा रही एक बस ने अपनी चपेट में ले लिया, महिला के ऊपर बस का पिछला पहिया चढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तत्काल बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेकॉज भिजवाया दिया है। वहीं बस को अपने कब्जे में लेते हुए तोकापाल थाने ले जाया गया है। तोकापाल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तोकापाल निवासी चमारिन बघेल उम्र 60 वर्ष अपने घर से सुबह किसी काम से निकली थी। इसी दौरान जगदलपुर से बैलाडीला के लिए निकली रॉयल ट्रैवल्स की बस ने उसे चपेट में ले लिया। इस घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

सुशासन तिहार में नगर पंचायत बस्तर के तीन आवेदकों का बना नया राशन कार्ड

जगदलपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने तथा आम जनता से सीधे संवाद करने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्र से लेकर गांवों तक सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत नगर पंचायत बस्तर के निवासी श्रीमती ज्योति पांडेय ने एपीएल राशन कार्ड और लालेश्वरी एवं सुनील कुमार बरिहा ने बीपीएल राशन कार्ड के लिए आवेदन किया था। उक्त आवेदन पत्रों के आधार पर परीक्षण के उपरांत पात्रता के अनुरूप इन हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड प्रदान कर दिया गया है। जिससे उक्त हितग्राहियों ने शासन की त्वरित पहल के लिए कृतज्ञता प्रकट किया है। ज्ञात हो कि सुशासन तिहार 2025 के प्रथम चरण में 08 से 11 अप्रैल तक आम जनता से आवेदन पत्र प्राप्त किए गए, वहीं दूसरे

चरण में प्राप्त आवेदन पत्रों का विभिन्न विभागों द्वारा युद्ध स्तर पर निराकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत नगर पंचायत बस्तर के निवासी श्रीमती ज्योति पांडेय के एपीएल राशन कार्ड और लालेश्वरी एवं सुनील कुमार बरिहा के बीपीएल राशन कार्ड हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों का नगर पंचायत द्वारा आवेदकों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों की जांच व परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों का तत्काल राशन कार्ड बनाया गया, साथ ही उन्हें नवीन राशन कार्ड प्रदान किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत बस्तर द्वारा बताया गया कि सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत नगर पंचायत बस्तर में राशन कार्ड से संबंधित अन्य आवेदनों में 22 आवेदन पत्र नाम जोड़ने के लिए प्राप्त हुए हैं, इन आवेदन पत्रों के निराकरण हेतु नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

पदयात्रा के नाम पर कांग्रेस ढोंग कर रही है : महेश कश्यप

5 साल के कार्यकाल में कांग्रेस ने इंद्रावती के लिए कुछ नही किया:- बस्तर सांसद

बस्तर सांसद ने कांग्रेस के पदयात्रा को राजनीति ढोंग बताया

जगदलपुर (विश्व परिवार)। इंद्रावती नदी जल संकट का झूठा ढोंग कर कांग्रेस ढोंगी पदयात्रा का आयोजन कर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उक्त बातें बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा हैं।

सांसद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 5 साल सत्ता में बैठे पीसीसी चीफ दीपक बैज को बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती नदी की तनिक भी चिंता नही हुई है। अगर इंद्रावती नदी के बारे में अपने कार्यकाल में सोच लेते तो आज यह स्थिति उतपन्न नही होती।

श्री कश्यप ने कहा कि इंद्रावती नदी सहित जनता की हर समस्याओं को दूर करने में डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध है। इंद्रावती नदी को वापस स्वरूप में लाने भाजपा सरकार के हर एक जनप्रतिनिधि ततपरता से कार्य कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के यशश्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मंत्री श्री केदार कश्यप के द्वारा लगातार इस ओर कार्ययोजना तैयार की गई है।

कांग्रेस सिर्फ राज करने की नीति पर ही कार्य करती है। इंद्रावती नदी को वापस स्वरूप में लाने की ओर हम लगातार कार्य कर रहे है। जो कांग्रेस को नही पच रही हैं। झूठा भ्रम फैलाकर ढोंग पदयात्रा के माध्यम से कांग्रेस श्रेय लेने का कार्य कर रही हैं। जनता को सभी चीजें पता है कौन इस ओर कार्य कर रहा है। और कौन सिर्फ राजनीति स्टंट कर रहा है।

इन्द्रावती नदी पर नए बैराज, 35 हजार हेक्टेयर में सिंचाई,50 टी.एम.सी. जल भण्डारण क्षमता होगी तैयार बस्तर जिले के निराबोया क्षेत्रफल 2 लाख हेक्टेयर है। वर्ष 2018 तक जल संसाधन विभाग ने जिले में 1 मध्यम, 31 जलाशय, व्यपवर्तन, 7 उद्वहन और 29 एनीकट सहित कुल 75 योजनाएं बनाई थीं इनसे 32 हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा जिले में निर्मित हुई।

वर्ष 2019-20 में 25, 2020-21 में 26, 2021-22 में 23 और 2022-23 में 67 योजनाएं बजट में शामिल की गई। पांच वर्षों में कुल 141 योजनाओं को बजट में शामिल किया गया इनमें से केवल रू. 150 करोड़ की लागत से 25 योजनाओं की मंजूरी मिली। इनमें से सिर्फ 5 योजनाओं का निर्माण पूरा हुआ। इससे सिंचाई क्षमता में केवल 285

हेक्टेयर की बढ़ोतरी हुई। वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2024 में बाकी 15 योजनाओं की निविदा जारी कर निर्माण कार्य शुरू कराया गया। वर्तमान सरकार द्वारा बस्तर में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं सिंचाई सुविधा के विस्तार हेतु वर्ष 2024-25 में 80 योजनाओं को बजट में शामिल कर एक साथ लागत रु.200 करोड़ से 52 योजनाओं की मंजूरी दी गई इनसे 12 हजार हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा मिलेगी। वर्ष 2025-26 में 65 योजनाओं को बजट में शामिल किया गया है इनका सर्वेक्षण कार्य जारी है।

वर्ष 2019 से 2023 के बीच तत्कालीन सरकार ने इन्द्रावती नदी पर केवल एक योजना को मंजूरी दी थी। यह करेकोट एनीकट योजना थी, जिसकी लागत 18 करोड़ रुपए थी। इसका कार्यादेश वर्ष 2024 में वर्तमान सरकार द्वारा जारी किया गया है।

तत्कालीन सरकार द्वारा 26 अगस्त 2021 को इन्द्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण का

गठन हुआ लेकिन इसकी एक भी बैठक नहीं हुई न ही किसी योजना की अनुशंसा की गई। जबकि वर्तमान सरकार द्वरा वर्ष 2024-25 में मटनार, देउरगांव और महादेवघाट बैराज सह उद्वहन सिंचाई योजना को शामिल किया गया है। वर्ष 2025-26 में नगरनार, एरपुंड, ककनार, बाकेल, नारंगी और भास्केल बैराज को जोड़ा गया है। इन योजनाओं से 50 टीएमसी जल का भंडारण होगा। साथ ही 35 हजार हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा मिलेगी । बस्तर संभाग को कुल 372 टीएमसी जल आबंटित है। इसके मुकाबले केवल 5

प्रतिशत जल भंडारण क्षमता बनी है। 200 टीएमसी जल के उपयोग के लिए इन्द्रावती - महानदी नदी जोड़ो परियोजना का सर्वेक्षण कार्य स्वीकृत किया गया है। इससे 4लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा बनेगी। दिनांक 15 अप्रैल 2025 को प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी ने बस्तर संभाग में सिंचाई परियोजनाओं को गति देने के लिए नवीन मुख्य अभियंता कार्यालय का शुभारंभ किया गया है।

इंद्रावती - जोरानाला समस्या-

इंद्रावती जोरानाला संकट के समाधान हेतु कंटोल स्ट्रक्चर के निर्माण हेतु वर्ष 2010 से 2016 तक कुल 49 करोड़ रु के जल संसाधन विभाग उड़ीसा को प्रदान कर निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया,जिससे प्रदेश को समझौता के अनुसार 50 प्रतिशत जल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई.किंतु वर्ष 2021 से 2023 तक छत्तीसगढ़ राज्य को कंट्रोल स्ट्रक्चर के अप स्ट्रीम एवं डाउन स्ट्रीम में सिल्ट, बोल्डर के जमा होने से मात्र 23 प्रतिशत जल उपलब्ध हो रहा था जिससे बस्तर जिले में गम्भीर पेयजल संकट उतपन्न हो गया,जिसके समाधान हेतु जिले के कृषकों एवं रहवासियों द्वारा मांग एवं आंदोलन किया गया.किंतु वर्ष 2023 तक इस समस्या की तरह छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कोई ध्यान नही दिया गया,जिसके फलस्वरूप वर्ष 2024 में बस्तर जिले को मात्र 16 प्रतिशत जल उपलब्ध हो रहा था।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 30 अप्रैल 2025

व्यापार समाचार

जवां और चमकदार त्वचा के लिये खाईये 5 एंटी-एजिंग सुपरफूड्स

रायपुर। कौन चाहता है कि वह उम्र से पहले बूढ़ा दिखे ? जवाब साफ है कोई भी नहीं। लेकिन आज के बदलते माहौल में न सिर्फ हमारी शारीरिक सेहत प्रभावित हो रही है, बल्कि हमारी त्वचा भी कई तरह के नुकसान झेल रही है, जिसका हमें अंदाज़ा भी नहीं होता। प्रदूषण, अत्यधिक धूप, नमी और हानिकारक यूवी किरणें हमारी त्वचा पर झुर्रियां, महीन रेखाएं और ढीलापन जैसी समस्याएं ला सकती हैं। इस विषय पर गहराई से जानने के लिए हमने त्वचा विशेषज्ञ और कॉस्मेटोलॉजिस्ट डॉ. गीतिका मित्तल से बात की, डॉ. गीतिका मित्तल का मानना है कि हमारी त्वचा का स्वास्थ्य पूरी तरह से हमारे खानपान पर निर्भर करता है। त्वचा पर झुर्रियां और महीन रेखाएं रोकने के लिए वे रोज़मर्रा के भोजन में बादाम, दही और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर चीजें शामिल करने की सलाह देती हैं। आइए जानते हैं वे कौन से फूड्स हैं जिन्हें अपनाकर आप भी अपनी त्वचा को लंबे समय तक जवां और खूबसूरत बनाए रख सकते हैं। ये हैं एक्सपर्ट द्वारा सुझाए गये पांच सुपरफूड्स : बादाम : बादाम को रोज़ाना के आहार में जरूर शामिल करना चाहिए। इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन ई त्वचा के टोन और टेक्सचर को बनाए रखने में बेहद मददगार होते हैं। विटामिन ई न केवल त्वचा को पोषण देता है बल्कि उम्र के असर को भी धीमा करता है। नियमित रूप से भुने हुए बादाम स्नैक के रूप में खाने से त्वचा में झुर्रियों की संभावना कम होती है और यह सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाव करता है। पोषक तत्वों से भरपूर आहार में बादाम को शामिल करना त्वचा को स्वस्थ और दमकता बनाए रखने का एक आसान और प्रभावी तरीका है। सैल्मन : सैल्मन मछली भी त्वचा की सेहत के लिए बेहतरीन मानी जाती है। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड्स से भरपूर होती है, जो त्वचा को नमी प्रदान करने, उसे मुलायम बनाए रखने और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ओमेगा-3 त्वचा को यूवी किरणों से भी बचाते हैं और कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देकर त्वचा को कसाव और लोच प्रदान करते हैं, जिससे झुर्रियां और महीन रेखाएं कम होती हैं। शकरकंद : शकरकंद में विटामिन ई और सी जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं, जो त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं और समय से पहले उम्र के असर को रोकने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन ए त्वचा की कोशिकाओं के पुनर्निर्माण में सहायक होता है और त्वचा की कसावट को बनाए रखता है, जिससे यह एक त्वचा के अनुकूल आहार बन जाता है।

रेमेडियम लाइफकेयर : हमारे राइट्स इश्यू के साथ फार्मा की लहर पर सवार हों

मुंबई: रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई: 539561) ने अपने बहुप्रतीक्षित राइट्स इश्यू के लॉन्च की घोषणा की है, जिसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से मंजूरी मिल गई है। यह रणनीतिक पहल कंपनी की एक एकीकृत, शोध-संचालित फार्मास्युटिकल लीडर बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राइट्स इश्यू 30 अप्रैल, 2025 को खुलेगा और 14 मई, 2025 को बंद होगा। यह पूंजी जुटाना रेमेडियम के हाल ही में एक प्रमुख यूके-आधारित फार्मास्युटिकल कंपनी के साथ ?182.7 करोड़ के समझौते के बाद हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं में निवेश, उच्च मूल्य वाली दवा मध्यवर्ती वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ाने, शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने, डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजार में पैठ बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इस विकास पर बोलते हुए, रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री आदर्श मुंजाल ने टिप्पणी की: यह राइट्स इश्यू वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त, नवाचार-आधारित दवा कंपनी बनने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पूंजी निवेश घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगा, जिसमें यूरोप और एशिया पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह निवेशकों को निर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रस्ताव की सदस्यता लेने और संभावित रूप से आकर्षक कीमत पर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का एक रोमांचक अवसर प्रदान करता है। आय का एक बड़ा हिस्सा केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (सीएनएस) विकारों, चयापचय स्थितियों और ऑन्कोलॉजी में विशेषज्ञता वाली उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना की ओर निर्देशित किया जाएगा - दुनिया भर में तीन सबसे महत्वपूर्ण और उच्च मांग वाले चिकित्सीय खंड। पूंजी जुटाने से पूर्व भुगतान में भी मदद मिलेगी, जिससे वित्तीय लचीलापन बेहतर होगा। यह पहल न केवल रेमेडियम लाइफकेयर की परिचालन और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाती है, बल्कि एक विश्वसनीय दवा निर्माण और आपूर्ति श्रृंखला केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का भी समर्थन करती है। उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे और अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास में निरंतर निवेश के माध्यम से, कंपनी राष्ट्रीय 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ जुड़ी हुई है, जबकि रोजगार सृजन और सतत क्षेत्रीय विकास में योगदान दे रही है।

आईडीबीआई बैंक ने YTD आधार (12 महीने) पर लाभ में 33% की वृद्धि दर्ज की

आईडीबीआई बैंक ने आज Qy FY25 के लिए अपने परिणाम जारी किए। Qy FY25 में शुद्ध लाभ 26% YoY की मजबूत वृद्धि के साथ 2,051 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 3,195 करोड़ रहा। एनआईएम 4% दर्ज की गई, और शुद्ध ब्याज आय 3,290 करोड़ रही। Q4-2025 के लिए कॉस्ट ऑफ डिपॉज़िट 4.83% थी, जो Q4-2024 में 4.48% थी। CRAR 279 बीपीएस की YoY वृद्धि के साथ 25.05त्न रहा। संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) Q4-2024 में 1.82% के मुकाबले Q4-2025 में 29 बीपीएस बढ़कर 2.11% हो गया। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.40% रहा, (65 बीपीएस की YoY वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 31 मार्च 2024 को 0.34 % से घटकर 0.15% हो गया। सकल एनपीए 31 मार्च 2024 को 4.53% से घटकर 2.98% हो गया। पीसीआर 31 मार्च 2024 को 99.09% के मुकाबले 99.48% रहा।

आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करना पड़ा भारी, ऋषभ पंत पर लगा 24 लाख का जुर्माना

मुंबई,(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 45वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को मुंबई इंडियंस से 54 रनों से हार का सामना करना पड़ा. जिसके बाद वो अंक तालिका में छठे नंबर पर लुढ़क गई. जहां इस हार से लखनऊ को अंक तालिका में एक पायदान का नुकसान हुआ है वहीं कप्तान ऋषभ पंत सहित पुरी टीम पर धीमी ओवर गति की वजह से दूसरा बड़ा झटका लगा है. चूंकि यह एलएसजी का इस सीजन का ये दूसरा अपराध था, इसलिए पंत पर आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, जो न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित है. आईपीएल ने रविवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि इस मैच के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स की प्लेइंग इलेवन के अन्य सदस्यों, जिसमें इम्पैक्ट प्लेयर भी शामिल है, पर छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया जाएगा. मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने जसप्रीत बुमराह (4-22) और ट्रेंट बोल्ट (3-20) की शानदार गेंदबाजी और रयान रिकेल्टन और सूर्यकुमार यादव ने आक्रामक अर्धशतक जड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रनों से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की. लखनऊ के लिए यह हार बहुत मुश्किल थी, क्योंकि इससे वे 2025 के आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में पिछड़ गए. दोनों टीमें 10 अंकों के साथ खेल में उतरीं, लेकिन मुंबई इंडियंस तीसरे स्थान पर पहुंच गई. मुंबई इंडियंस ने आखिरी बार लगातार पांच मैच 2020 में जीते थे, जब वे खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से तैयार थे. मुंबई में एक ड्रीम सीजन की शुरुआत हो चुकी है, क्योंकि उन्होंने अपने शुरुआती पांच मैचों में केवल एक जीत के साथ सीजन की शुरुआत की और उसके बाद से शानदार वापसी की है. लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति बहुत खराब है और उनका सीजन अधर में लटका हुआ है. उनके अब सिर्फ चार मैच बचे हैं और वे छठे स्थान पर हैं, लेकिन उन्हें अभी आरसीबी, जीटी और पंजाब किंग्स का सामना करना है, जिससे उन्हें प्लेऑफ में अपनी जगह बनाने का मौका मिलेगा.

मुंबई इंडियंस ने लखनऊ को हराकर दूसरे स्थान पर मारी छलांग, सूर्या और बुमराह ने मचाया धमाल

मुंबई(एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 45वां मैच में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर खेला गया जहां मुंबई ने लखनऊ को 54 रनों से हरा दिया है. इस जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस की टीम प्वाइंट्स टेबल में 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है. मुंबई को 10 में से 6 मैचों में जीत मिली है जबकि उसे 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. लखनऊ की बात करे तो इस हार के साथ लखनऊ की टीम 10 मैचों में 5 जीत और 5 हार के साथ 10 प्वाइंट्स लेकर 6वें स्थान पर हैं. इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया. इसके साथ ही उन्होंने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया. मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए. इस लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 20 ओवर में 161 रनों पर ढेर हो गई और 54 रनों से मैच हार गई. मुंबई से जीत के लिए 216 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया. टीम के लिए मिशेल मार्श (34), निकोलस पूरन (27) और आयुष बदोनी (35) रन बना पाए. जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिए जबकि ट्रेंट बोल्ट ने 3 और विल जैक्स ने दो विकेट हासिल किए.

भुवनेश्वर कुमार ने रचा इतिहास, आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बने दूसरे गेंदबाज

दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 46वां मैच दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जा रहा है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच में आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इतिहास रच दिया है. वो आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं. इसके साथ ही वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट ने लेने वाले पहले तेज गेंदबाज भी हैं. इस मैच में भुवनेश्वर कुमार ने गेंद के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है. भुवी ने इस मैच में 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. इसके साथ ही भुवी ने यह खास उपलब्धि हासिल कर ली है. उन्होंने भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है जिनके नाम भुवी से पहले आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज का खिताब दर्ज था. अब भुवनेश्वर कुमार 185 मैचों में 193 विकेट लेकर आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं. इसके साथ ही वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज भी हैं. उनसे आगे सिर्फ युजवेंद्र चहल हैं जिन्होंने 169 मैचों में 214 विकेट हासिल किए हैं. अब तीसरे स्थान पर पीयूष चावला मौजूद हैं जिनके नाम 192 मैचों में 192 विकेट मौजूद हैं. इस मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए. दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 39 बॉल में 3 चौकों की मदद से 41 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 18 बॉल में 5 चौके और 1 छक्के के साथ 34 रनों की पारी खेली. फाफ डु प्लेसिस ने 22 और अभिषेक पोरेल ने 28 रनों का योगदान दिया. आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने 3 और जोश हेजलवुड ने 2 विकेट चटकाए. इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अब तक आरसीबी 7 ओवर में 3 विकेट खोकर 45 रन बना चुकी है.

सीएमएफ बाय नथिंग ने लॉन्च किए सीएमएफ फोन 2 प्रो, बड्स2, बड्स 2 प्लस, और बड्स 2ए

नईदिल्ली। लंदन आधारित टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग के सब-ब्राण्ड सीएमएफ ने आज चार नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं- सीएमएफफोन 2 प्रो, बड्स 2, बड्स 2 प्लस, बड्स 2ए। नथिंग साल की शानदार शुरूआत को जारी रखे हुए है। काउंटरपॉइन्ट रीसर्च क्ता 2025 इंडिया स्मार्टफोन शिपमेन्ट रिपोर्ट के अनुसार ब्राण्ड को इस तिमाही सबसे तेज़ी से विकसित होते स्मार्टफोन ब्राण्ड का दर्जा दिया गया है, जिसने 156 फीसदी सालाना की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। लगातार पांचवी तिमाही के लिए नथिंग ने सबसे तेज़ी से विकसित होते ब्राण्ड के रूप में अपनी स्थिति को बरक़रार रखा है। नथिंग पिछली तिमाही के दौरान भारतीय बाज़ार में इस उपलब्धि को हासिल करने वाला एकमात्र ब्राण्ड बन गया है।

सीएमएफ फोन 2 प्रो- सेगमेन्ट में सर्वश्रेष्ठ थ्री-कैमरा सिस्टम, चमकदार डिस्प्ले और प्रीमियम डिज़ाइन से युक्त सीएमएफ फोन प्रो रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए बेहतरीन स्मार्टफोन है। 7.8 एमएम की मोटाई और मात्र 185 ग्राम वज़न के साथ यह नथिंग द्वारा डिज़ाइन किया गया अब तक का सबसे स्लिम और सबसे लाईटवेट स्मार्टफोन है। सीएमएफ फोन 1 की तुलना 5 फीसदी पतला यह फोन चार रंगों

में उपलब्ध है: व्हाईट, ब्लैक, ओरेंज और लाईट ग्रीन, हर कलर इसे अनूठी फिनिश एवं शानदार टेक्सचर देता है। सीएमएफ फोन प्रो आधुनिक थ्री-कैमरा सिस्टम के साथ आता है, इसका 50 एमपी मेन कैमरा सीएमएफफोन 1 की तुलना में 64 फीसदी अधिक लाईट कैप्चर करता है। दूर से तस्वीर खींचने के लिए, सेगमेन्ट में पहली बार 50एमपी टेलीफोटो लैंस दिया गया है। जो 2 गुना ऑप्टिकल जूम और 20 गुना तक अल्ट्रा जूम देता है। इसके अलावा 8एमपी वाईड कैमरा शानदार फील्ड व्यू के लिए परफेक्ट है, जो धरती से लेकर आसमान तक हर चीज़ को कैप्चर कर लेता है। वहीं 16 एमपी फ्रंट कैमरा सबसे शार्प सेल्फी के लिए परफेक्ट है।

सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड को 49.50 करोड़ के राइट्स इश्यू के लिए बीएसई से मिली सैद्धांतिक मंजूरी

मुंबई: घरेलू साज-सज्जा (होम डेकोर) और विभिन्न सुगंध उत्पाद बनाने वाली कंपनी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई: 539519) को अपने 49.50 करोड़ रुपए के प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। कंपनी को यह मंजूरी 27 मार्च 2025 को मिली। सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड कंपनी विशेष रूप से कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, व्यापार विस्तार का समर्थन करने और मौजूदा सहायक कंपनियों में निवेश करने के लिए इस राइट्स इश्यू से शुद्ध आय का उपयोग करने का इरादा रखती है। इसके अलावा, फंड का उपयोग व्यवसाय विस्तार और विविधीकरण के लिए नई सहायक या सहयोगी कंपनियों को बनाने या अधिग्रहण करने या उच्च विकास क्षमता वाली कंपनियों में निवेश करने के लिए किया जाएगा। इस डेवलपमेंट पर सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मीत ब्रह्मभट्ट ने कहा कि राइट्स इश्यू के लिए बीएसई से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त करना वास्तव में हमारे लिए एक माइलस्टोन है। हम अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करना जारी रखेंगे और बर्नर मैन्युफैक्चरिंग में नवाचार को बढ़ावा देंगे। इस इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग रणनीतिक रूप से हमारी कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, व्यापार विस्तार का समर्थन करने और मौजूदा और संभावित सहायक कंपनियों में निवेश करने के लिए किया जाएगा। हमारे प्रीमियम सुगंध और घरेलू सजावट उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, यह पूंजी निवेश हमें परिचालन बढ़ाने, उत्पाद नवाचार बढ़ाने और बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा। सत्व सुकुन लाइफकेयर ने दिसंबर-2024 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया। जिसमें कंपनी की आवक में 65त्न की वृद्धि हुई और शुद्ध लाभ में 126त्न की वृद्धि हुई, जो इसकी परिचालन दक्षता को दर्शाता है। सत्व सुकुन लाइफकेयर नए अवसरों का लाभ उठाने, अपने डिजिटल पदचिह्न का विस्तार करने और सभी हितधारकों को मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

दुर्ग, दिनांक 22.04.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 13.05.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
18/दुर्ग (दुर्ग.)/2025	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) पावर हाउस भिलाई में कार्यशाला भवन शीट प्रुफिंग, प्रशासनिक भवन में फर्श बदलने कार्य एवं प्रशासनिक भवन का विशेष मरम्मत कार्य	59.50
19/ दुर्ग (दुर्ग.)/2025	उपसंभाग क्रं. 02 दुर्ग के अंतर्गत सी.ओ.ई. भवन नवीनीकरण मुख्य भवन के लिए फर्श निर्माण और मजबुतीकरण शास. आई.टी.आई. पुलगांव दुर्ग में मुख्य भवन के लिए नवीवीकरण कार्य और सी.ओ.ई. भवन के लिए फर्श मरम्मत एवं मजबूतीकरण कार्य	122.56
20/दुर्ग (दुर्ग.)/2025	उपसंभाग क्रं. 03 दुर्ग अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्ग, मुख्य मार्ग, जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्ग में बी. टी. पेंच रिपेयर कार्य	50.00
21/दुर्ग (राजनांदगांव) / 2025	शासकीय कुंज बिहारी चौबे महाविद्यालय लाल बहादुर नगर (वि.ख. डोंगरगढ) जिला राजनांदगांव में गर्ल्स टॉयलेट भवन का निर्माण कार्य	28.48
22/दुर्ग (दुर्ग.)/2025	उपसंभाग पाटन के अंतर्गत विभिन्न उपखण्डों में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	49.96
23/दुर्ग (राजनांदगांव) / 2025	शासकीय नेहरू पी.जी. महाविद्यालय डोंगरगढ जिला राजनांदगांव में गर्ल्स टॉयलेट भवन का निर्माण कार्य	28.47

टीप:-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

G-252600522/3

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 30 अप्रैल 2025

कृषि विश्वविद्यालय में आज मनाया जाएगा अक्ती तिहार

रायपुर (विसं)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अक्षय तृतीया के अवसर पर कल ''अक्ती तिहार'' का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 10 बजे स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पास स्थित प्रक्षेत्र में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर धरती माता एवं बीजों की पूजा-अर्चना कर बीज बुआई का कार्य प्रतीकात्मक रूप से किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अक्ती तिहार छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख कृषि पर्व है, जिसमें किसान ग्राम देवता एवं धरती माता की पूजा-अर्चना कर धरती माता से फसल लगाने की अनुमति मांगते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय निकायों को महापौर, अध्यक्ष और पार्षद निधि के तहत 103 करोड़ रुपए जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगर निगमों में महापौर निधि, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अध्यक्ष निधि तथा तीनों तरह के निकायों में पार्षद निधि के रूप में 103 करोड़ रुपए जारी किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। उन्होंने नगरीय निकायों को इन निधियों का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक यथाशीघ्र योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इस राशि से निकायों में मूलभूत विकास के कार्य किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर निगमों में महापौर निधि तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में अध्यक्ष निधि की 50-50 प्रतिशत राशि की प्रथम किस्त के रूप में कुल 30 करोड़ 63 लाख 75 हजार रुपए जारी किए गए हैं। तीनों तरह की नगरीय निकायों में पार्षद निधि के रूप में कुल 72 करोड़ 33 लाख 75 हजार रुपए भी जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा नगर निगमों में महापौर निधि के दस करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपए, नगर पालिकाओं में अध्यक्ष निधि के दस करोड़ 50 लाख रुपए तथा नगर पंचायतों में अध्यक्ष निधि के दस करोड़ एक लाख 25 हजार रुपए जारी किए गए हैं। वहीं पार्षद निधि के प्रथम किस्त (50 प्रतिशत) के रूप में नगर निगमों को 21 करोड़ 96 लाख रुपए, नगर पालिकाओं को 23 करोड़ 37 लाख 75 हजार रुपए एवं नगर पंचायतों को 27 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने निधि का सदुपयोग कर शहरी आबादी को समुचित लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

पूर्व विधायक राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह जी का निधन, अंतिम संस्कार आज

रायपुर (विश्व परिवार)। सक्ती, जांजगीर-चांपा निवासी पूर्व विधायक श्री राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह जी (80 वर्ष) का 29 अप्रैल 2025 को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार 30 अप्रैल 2025 को उनके निवास स्थान से मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। वे श्री स्वरूपचंद जैन एवं श्री लक्ष्मीनारायण इंदुरिया के मित्र थे। संपर्क सूत्र- शैलेष जैन, मो. 9329256000.

श्री बाबूलाल जी गोधा (जैन) का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर निवासी श्री बाबूलाल जी जैन (गोधा) उम्र 86 मंगलवार दिनांक 29.04.25 को रात्रि 01:36 बजे हो गया है। वे राकेश, राजेश, रूपेश के पिता एवं प्रकाश, संजय, विजय, अतुल, मनीष, विनय के चाचा और सपन, अरिहंत, सम्यक, अनंत, नमन, उज्जवल, सजल, भव्य, तनय, अक्षय, धर्य के दादा और संवेग, निलय के परदादा थे। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार दिनाँक 29.04.2025 को प्रात: 10:30 मारवाड़ी श्मशान घाट में किया गया।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर विशेष सभा

महापौर चौबे ने कहा- दुख की बात हम गंभीर चर्चा करने बैठे और कांग्रेसी पार्षद वाक आउट कर गए

रायपुर (विश्व परिवार)। एक राष्ट्र एक चुनाव एजेंडे पर नगर निगम की हुई विशेष सामान्य सभा में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि दुख की बात है कि आज हम गंभीर विषय पर चर्चा करने के लिए बैठे हैं और कांग्रेसी पार्षद सदन से वाक आउट कर गए। वे बुलाने पर भी सदन में वापस नही आए।

शहीद स्मारक भवन में हुई विशेष सामान्य सभा में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि एक देश एक चुनाव यह महत्वपूर्ण विषय है। इसके पीछे परिकल्पना विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ दोनों की है। एक राष्ट्र एक चुनाव वाली व्यवस्था लागू हो जाती है तो इससे लोकतंत्र मजबूत होगा। देश में लगातार चुनाव जो होते रहे हैं उस पर बेतहाशा खर्च होता है। 2024 में जो लोकसभा चुनाव हुआ उसी पर 1 लाख 33 हजार करोड़ राशि खर्च हो गई। मोदी जी ने दूर की सोचकर एक राष्ट्र एक चुनाव की परिकल्पना की है। इससे संसाधनों की बचत होगी। विकास में और तेजी आएगी। मुझे लगता है कि एक राष्ट्र एक चुनाव पर सभी सहमत होंगे। हमारे विपक्ष के साथी इस पर शंका जता रहे थे। शंकाओं का समाधान करने के लिए ही हम यहां बैठे हैं। हम तो खुली चर्चा चाहते थे। विपक्ष को इस बात का डर क्यों है कि एक राष्ट्र एक चुनाव से परिणाम सत्ता पक्ष की तरफ आएंगे। मेरा तो मानना है कि एक राष्ट्र एक चुनाव से फर्जी वोटिंग बंद होगी। पुलिस के कंधों पर भार कम होगा। प्रिंटिंग का खर्चा कम आएगा। चुनाव के लिए टीमें एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश जो आना-जाना करती हैं, इससे आवागमन पर होने वाला अनावश्यक खर्च कम होगा। आचार संहिता एक ही बार लगेगी।

संपत्तिकर जमा करने मात्र 1 दिन शेष, समय पर जमा नहीं करने पर लगेगा अतिरिक्त अधिभार

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई में संपत्तिकर जमा करने मात्र 1 दिन शेष है। जो भी भवन, भूस्वामी, दुकान मालिक हैं। जिन्होने अभी तक अपने बकाया संपत्तिकर की राशि जमा नहीं किए है। वे जल्द से जल्द अपने संपत्तिकर की राशि जमा कर दें, नही तो अतिरिक्त अधिभार लगेगा। करदाताओं के मांग पर अब निगम भिलाई के संपत्तिकर काउंटर सुबह 8 बजे से खुले हैं। जिससे करदाताओं को बढ़ती गर्मी से राहत मिल सके। साथ ही जो करदाता वर्ष 2025-26 का संपत्तिकर अभी जमा करते हैं, उन्हे 6.25 प्रतिशत का लाभ दिया जा रहा है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने क्षेत्र के नागरिको से अपील किए है कि अपना बकाया करों की राशि जल्द ही जमा कर देवें। वर्ष 2024-25 के बकाया संपत्तिकर 1 मई से जमा करने पर 18 प्रतिशत अधिभार और 1000 पेनाल्टी शुल्क लगेगा 1 दिन शेष है। साथ ही निगम के संपत्तिकर वसूली एजेंसी के कर्मचारी डोर-टू-डोर नागरिको के घर पर जाकर भी बकाया कर की वसूली कर रही है। उन्हे भी संपत्तिकर की राशि देकर उनसे रसीद प्राप्त कर सकते हैं। नागरिक जल्द ही अपने बकाया कर की राशि जमा कर लगने वाले अतिरिक्त अधिभार से बच सकते हैं। किसी प्रकार की जानकारी के लिए नगर निगम भिलाई के संपत्तिकर विभाग में संपर्क किया जा सकता है।

रेलवे स्टेशन रायपुर में सुरक्षा के मददेनजर रेलवे सुरक्षा बल व शासकीय रेल पुलिस रायपुर के साथ सघन चेकिंग

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 27.04.2025 को रेलवे स्टेशन रायपुर में सुरक्षा व्यवस्था हेतु सहायक सुरक्षा आयुक्त/ रे.सु.ब./ रायपुर- 2 के साथ रेलवे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट रायपुर के अधिकारी व बल सदस्य तथा शासकीय रेल पुलिस के साथ संयुक्त रूप से सघन चेकिंग किया गया। चेकिंग के दौरान निम्नलिखित कार्यवाही की गई।

रेलवे स्टेशन रायपुर में यात्रियो की सुरक्षा व संरक्षा के मददेनजर प्लेटफॉर्म में रेलवे सुरक्षा बल, शासकीय रेल पुलिस के साथ चेकिंग किया गया इस दौरान अवांछनीय तत्वो को रेल परिसर से बाहर किया गया। डॉग स्कॉड रायपुर के द्वारा स्टेशन, वेटिंग हॉल, टेऊन तथा पार्सल सामानो का गहन चेकिंग किया गया। यात्री गाड़ियो में ओबीएचएस स्टॉफ, कोच अटेण्डर, पेन्ट्रीकार स्टॉफ को चेकिंग किया गया एवं समझाईस दिया गया कि किसी भी संदिग्ध वस्तु व व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल शासकीय रेल पुलिस एंव कार्यरत टीटीई को देने के लिये समझाईस दिया गया है। स्टेशन में कार्यरत कुलियो, पार्किंग कर्मचारियो को भी जागरूक किया गया है कि स्टेशन व स्टेशन परिसर में यदि किसी संदिगध लावारिस वस्तु व व्यक्ति दिखाई दे तत्काल इसकी सूचना देवे। रेलवे स्टेशन रायपुर में स्थित बैगेज स्कैनर, में तैनात जवानो को यात्री सामानो का चेकिंग करने हेतु आवश्यक समझाईस देते हुये चेकिंग करने हेतु कहा गया एवं अनुपालन करते हुये यात्रियो के सामानो का विशेष चेकिंग किया जा रहा है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके सीसीटीव्ही कैमरा के माध्यम से स्टॉफ के द्वारा संदिगध गतिविधि एवं संदिगध व्यक्तियो पर विशेष नजर रखी जा रही है एवं तैनात स्टॉफ को भी अधिक संतर्कता बरतने के लिये निर्देशित किया गया है। स्टेशन में तैनात स्टॉफ एवं अधिकारियो द्वारा सभी आने-जाने वाली गाडियो को चेक किया जा रहा है।

दिनांक 27.04.2025 को अधिकारी एवं बल सदस्यो द्वारा रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओ के तहत अभियान चलाकर रेल अधिनियम के तहत लगातार कार्यवाही जारी है। स्टेशन में कार्यरत टीटीई के साथ मिलकर टिकट चेकिंग भी की जा रही है ताकि अनाधिकृत प्रवेश को रोका जा सके एवं अवांछित तत्वो पर निगरानी रखी जा सके। स्टेशन एवं स्टेशन परिसर में टास्क टीम द्वारा अपराधियो पर गुप्त निगरानी रखी जा रही है साथ ही साथ विशेष परिस्थिति हेतु क्यूआरटी टीम का गठन किया गया है। माउटिंग/डिसमाउटिग के दौरान सभी स्टॉफ को ड्यूटी के दौरान अधिक सतर्क रहने हेतु निर्देशित किया गया है।

अक्षय तृतीया पर तनिष्क की विशेष वैवाहिक उप-ब्रांड 'रिवाह' का जश्न

रायपुर (विश्व परिवार)। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर, टाटा समूह के प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क की विशेष वैवाहिक उप-ब्रांड 'रिवाह' (Rivaah) भारतीय ग्रीष्मकालीन शादियों की भव्यता का जश्न मनाने के लिए तैयार है, अपनी शानदार ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन के साथ।

भारत की विविध और समृद्ध विवाह परंपराओं की गहरी समझ के साथ, रिवाह बाय तनिष्क विभिन्न समुदायों की दुल्हनों के लिए खास तौर पर डिज़ाइन की गई गहनों की विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। यह कलेक्शन हल्दी और मेहंदी जैसी पारंपरिक रस्मों से लेकर संगीत और विवाह समारोह तक, हर अवसर के लिए एक परिपूर्ण चयन सुनिश्चित करता है। प्रत्येक आभूषण न केवल सांस्कृतिक परंपराओं को सम्मानित करता है, बल्कि दुल्हन की व्यक्तिगत सुंदरता और विशिष्टता को भी दर्शाता है। रिवाह एक ऐसा ब्रांड है जो परंपरा को व्यक्तिगत अभिव्यक्ति से जोड़ता है, जिससे हर दुल्हन अपने सपनों की शादी की अनूठी कहानी गढ़ सकती है।

भारत की सांस्कृतिक विविधताओं को ध्यान में रखते हुए, रिवाह विभिन्न क्षेत्रों के अनुसार विशेष ब्राइडल कलेक्शन प्रस्तुत करता है- जैसे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की पारंपरिक नथ, महाराष्ट्र की ठुशी हार और तोड़े की चूड़ियाँ। यह कलेक्शन न केवल स्थानीय परंपराओं को सम्मान देता है, बल्कि हर दुल्हन को अपने सांस्कृतिक मूल्यों और स्टाइल के अनुरूप गहने चुनने की आज़ादी भी देता है।

तारवानी एंड एसोसिएट्स में हैप्पीनेस पर आयोजित हुआ सेमिनार

स्वयं के साथ कुछ समय बिताना हमारे जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाता है : सरीता बाजपेयी

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वयं के साथ कुछ समय बिताना हमारे जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाता है ऐसा करने से स्वयं को जानना भी आसान हो सकता है, और यदि आप स्वयं को जान लेते हैं तो आप जीवन में कुछ भी हासिल कर सकते हैं, आपको जीवन कठिन नहीं, वरन् सरल लगने लगता है।

ये सभी बातें तारवानी एंड एसोसिएट्स द्वारा आयोजित आर्टिकल स्टडी मीट में मोटिवेशनल स्पीकर सरीता बाजपेयी ने बताई ड्ड प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर सरीता बाजपेयी द्वारा आर्ट ऑफ लिविंग पर एक अद्भुत सत्र आयोजित किया गया। सरीता जी ने समझाया कि सही इरादा रखकर अगर हम पूरी निष्ठा से प्रयास करें, तो हम जीवन में जो चाहें वो पा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर एक रास्ता बंद हो जाए, तो कई और रास्ते होते हैं। जरूरत है मुस्कराते हुए उन्हें स्वीकार करने और प्रयास करने की। उन्होंने भस्त्रिका आसन कराया यह एक तेज गति का श्वसन अभ्यास है जिसमें जोर-जोर से सांस अंदर ली और बाहर छोड़ी जाती है। इसे बलवान प्राणायाम भी कहा जाता है और यह शरीर में ऊर्जा बढ़ाने, ऑक्सीजन की आपूर्ति सुधारने और मनोबल को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

सत्र को और भी रोचक बनाने के लिए, उन्होंने टॉम एंड जेरी के खेल के माध्यम से एक गतिविधि करवाई। इसमें जेरी ताली बजाता है और टॉम उसे रोकने की कोशिश करता है। इस खेल के माध्यम से उन्होंने यह सिखाया कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ आएं, हमें अपने विश्वास और प्रयास में कमी नहीं लानी चाहिए। सभी प्रतिभागियों ने इस खेल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जीवन के गहरे पहलुओं को हल्के-फुल्के अंदाज में समझा। हमें वर्तमान में खुश रहना चाहिए। जीवन में जो गलतियाँ होती हैं, उन्हें स्वीकार करना ज़रूरी है, ताकि हम उन्हें अपने मस्तिष्क में बोझ की तरह न रखें और सहजता से आगे बढ़ सकें। सत्र के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि जब कोई हमारे साथ कुछ गलत करे, तो बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने की बजाय पहले ठहरें, सोचें और फिर शांत होकर प्रतिक्रिया दें। इससे न केवल मानसिक शांति बनी रहती है, बल्कि संबंध भी खराब नहीं होते। उन्होंने जीवन की तीन महत्वपूर्ण कुंजियाँ बताईं- पहला (इरादा), दूसरा (ध्यान), तीसरा (साकार करना)।

सत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट और आर्टिकल्स ने भाग लिया, जिनमें सीए चेतन तारवानी,सीए भावना अजवानी, सीए सिद्धांत माखीजा, अर्पना नायक, रुपाली सोनी, मुस्कान शर्मा, नेहा जोतवानी, नाज़िया, दिव्यांशु धनवानी, उपासना देवनानी, तुषार सिंह राजपूत, कशिश ऐलसिंघानी, कोमल राठी, साधना साहू, मनीष असलानी, वंशिका अग्रवाल, देवेश गिदवानी, आर्ची नैनवानी, प्रशांत मथानी,लोकेश अग्रवाल, यशवर्धन सिंह यक्षा चावला शामिल थे। कार्यक्रम की संयोजक नेहा जोतवानी ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया और सम्मानित वक्ताओं के योगदान की सराहना की।

यह सत्र उत्साह, सकारात्मक ऊर्जा और गहरी जीवन शिक्षाओं से भरपूर रहा। हम सरीता बाजपेयी के आभारी हैं जिन्होंने हमें सिखाया कि जीवन सुंदर है, बस हमें खुद पर विश्वास करना है और हर पल मुस्कुराते हुए जीना है।

गोंदिया स्टेशन में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को नई रफ्तार : तीसरी लाइन परियोजना और यार्ड रिमॉडलिंग से संचालन क्षमता में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय कदम

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत गोंदिया स्टेशन में रेलवे परिचालन को आधुनिक और अधिक कुशल बनाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। राजनांदगांव-कलमना तीसरी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत गोंदिया स्टेशन किए जा रहे यार्ड रिमॉडलिंग कार्यों ने रेल नेटवर्क को मजबूती देने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

राजनांदगांव-कलमना तीसरी लाइन परियोजना- राजनांदगांव-कलमना तीसरी लाइन परियोजना की लंबाई 228 किलोमीटर है एवं यह परियोजना ?3544 करोड़ की लागत से विकसित की जा रही है। इस परियोजना में 193 किलोमीटर तीसरी लाइन जुड़ चुके हैं। यह परियोजना ट्रेनों की समयबद्धता और संचालन क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी लाएगी।

गोंदिया यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के लिए 23 अप्रैल से 6 मई 2025 तक गोंदिया यार्ड में विस्तृत तकनीकी कार्यों की योजना बनाई गई है, जिसमें 14 दिनों का प्री-नॉन इंटरलॉकिंग/ नॉन इंटरलॉकिंग कार्य शामिल है। यह कार्य गोंदिया स्टेशन को एक आधुनिक, मल्टी-डायरेक्शनल इंटरचेंज स्टेशन के रूप में विकसित करेगा।

रिमॉडलिंग के पश्चात गोंदिया यार्ड में कुल 10 रेल लाइनें और 505 रूट होंगे, जिससे यह चार दिशाओं- दुर्ग, नागपुर, जबलपुर और बल्हारशाह के लिए गोंदिया स्टेशन प्रमुख जंक्शन बन जाएगा। यहां पुरानी 'रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई)' प्रणाली को अत्याधुनिक 'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग' में बदला जा रहा है। यह न केवल संचालन की विश्वसनीयता बढ़ाएगा, बल्कि गोंदिया को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सम्पन्न बड़े स्टेशनों में भी शामिल करेगा।

इस रिमॉडलिंग कार्य के अंतर्गत- 8 पुराने पॉइंट्स को हटाया गया और 16 नए पॉइंट्स जोड़े गए, 1400 मीटर ट्रैक को बदला गया, 44 ओएचई मास्ट और 4 पोर्टल हटाए गए, तथा 55 नए मास्ट व 5 पोर्टल लगाए गए। 3.5 कि.मी. ओएचई प्रणाली को अपग्रेड किया गया व लाइन नंबर 9 और 10 के ट्रामवे ओएचई का भी संशोधन हुआ। इसके अलावा, गोंदिया-बिरसौला सेक्शन की यांत्रिक इंटरलॉकिंग को इलेक्ट्रॉनिक पैनल आधारित प्रणाली में बदला गया है, और गुदमा-गंगाझरी के बीच 24 किलोमीटर की द्वि-दिशात्मक ऑटो सिग्नलिंग प्रणाली भी स्थापित की जा रही है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कानों की रिशेपिंग

जन्मजात, दुर्घटना या अन्य कारणों से कटे या टेढ़े-मेढ़े कानों की रिशेपिंग
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

राजधानी
ई-रिक्शा एण्ड मोटर्स
भगवान परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं

❖ लिथियम बैटरी पावर के साथ (सिंगल बैटरी)
❖ 3 साल की वारंटी (मेंटेनेन्स फ्री)
❖ ना कोई पानी डालने का झनझट, ना कोई टेंशन

बादशाह ई- रिक्शा के लिए सब डीलर नियुक्त करना है

रिंग रोड़ नं. 1 अभिनंदन मैरिज पैलेस के बाजू कुशालपुर चौक, रायपुर (छ.ग.)
ब्रांच ऑफिसः तरूण बाजार के पास, मेन रोड़, संतोषी नगर, रायपुर
E-Mail: e.rickshow.rajdhani@gmail.com

Mob: 98261 30597, 98268 50022